राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण मंगलवार, 19 अप्रैल 2022 वर्ष–4,अंक–83 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बीजापुर के CAF कैंप पर नक्सलियों का हमला, मुठभेड़ में 4 जवान घायल, माओवादियों ने UBGL भी दागे

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में माओवादियों ने रविवार की रात बड़ी वारदात को अंजाम दिया है। नक्सलियों ने फोर्स के कैंप पर हमला कर दिया, जिससे 4 जवान घायल हुए हैं। माओवादियों ने छत्तीसगढ़ आर्म्स फोर्स (ष्टस्र) के कुटरू थाना क्षेत्र के दरभा स्थित कैंप पर ङ्कत्तरु दागे और अंधाधुंध फायरिंग की है। घायल जवानों को बीजापुर जिला अस्पताल लाया गया, जहां से गंभीर रूप से घायल 2 जवानों को रायपुर रेफर किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार रविवार की रात करीब 11ः00 बजे नक्सलियों ने कुटरु थाना क्षेत्र

के दरभा स्थित सीएएफ कैंप में फायरिंग शुरू कर दी। जंगल की आड़ लेकर नक्सलियों ने कैंप पर दर्जनभर से अधिक ङ्कत्तरु भी दागे हैं। जवानों ने भी मोर्चा संभाला और मुंहतोड़ जवाब दिया। करीब एक घंटे तक रुक-रुक दोनों तरफ से फायरिंग होती रही। सुरक्षा बल के जवानों को भारी पड़ता देख नक्सली फरार हो गए।

जंगल में सर्चिंग ऑपरेशन चला रहे जवान -इस गोलीबारी में सुरक्षा बल के 4 जवान घायल हो गए हैं, जिसमें 2 जवानों को बेहतर उपचार के लिए रायपुर रेफर कर किया गया है। वहीं 2 जवान का इलाज बीजापुर के जिला अस्पताल में चल रहा है। इस घटना के बाद डीआरजी, सीएएफ व अर्धसैनिक बल के जवानों की एक टीम को सर्चिंग के लिए जंगल की ओर रवाना किया गया है। बीती रात की गोलीबारी से यह अंदाजा लगाया जा रहा है कि माओवादी बड़ी संख्या में आए थे। पुलिस के वरिष्ठ अफसर कैंप को निकले हैं। पुलिस जल्द ही मुठभेड़ को लेकर मीडिया को जानकारी देगी।

जहांगीरपुरी हिंसा

CJI के हस्तक्षेप की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर, 'बड़ी साजिश' की जांच में जुटी दिल्ली पुलिस

नई दिल्ली। उत्तर पश्चिमी दिल्ली के जहांगीरपुरी इलाके में शनिवार शाम हनुमान जयंती जुलूस के दौरान दो समुदायों के बीच हुई हिंसा के मामले में अब तक 21 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर मुख्य न्यायधीश से हस्तक्षेप की मांग की गई है। अधिवक्ता अमृतपाल सिंह खालसा ने स्वत- संज्ञान लेने और जहांगीरपुरी हिंसा की अदालत की निगरानी में जांच का आदेश देने के लिए सुप्रीम कोर्ट के समक्ष एक पत्र याचिका दायर की है।

गौरतलब है कि शनिवार को हनुमान जयंती जुलूस के दौरान सांप्रदायिक हिंसा भड़क उठी थी। पुलिस के मुताबिक, हिंसा के दौरान पथराव किया गया और कई वाहनों को आग के हवाले कर दिया गया। हिंसा में कई पुलिसकर्मियों समेत कई लोग घायल हुए। जुलूस में कथित तौर पर तलवारें और हथियार भी लहराए गए थे।

जहांगीरपुरी में हनुमान जयंती पर शोभा यात्रा के दौरान पथराव किए जाने के एक दिन बाद उत्तर पश्चिमी दिल्ली में एक असहज शांति बनी हुई है, हालांकि पुलिस हर एंगल से मामले की जांच में जुटी है। दिल्ली पुलिस ने रविवार को कहा कि वह इस घटना के पीछे 'एक बड़ी साजिश' की जांच कर रही है। मामले में अब तक पुलिस ने दो नाबालिगों समेत 23 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दो प्रमुख संदिग्धों अंसार और असलम की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है।

समाचार पत्र ने सूत्रों के हवाले से लिखा है कि पुलिस जांच का उद्देश्य न केवल 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों और सीएए-एनआरसी के विरोध के आरोपियों के संभावित लिंक की जांच करना है, बल्कि कुछ रोहिंग्या और बांग्लादेशी प्रवासियों के अलावा स्थानीय अपराधियों का भी पता लगाना है, जिन्होंने कथित तौर पर विरोध में भाग लिया था और हिंसा को हवा दी।

क्राइम ब्रांच को जांच और आगे की कार्रवाई के लिए लगाया गया है। पुलिस को खुफिया एजेंसियों की भी मदद मिल रही है। पुलिस ने कहा कि गिरफ्तार लोगों में से कई का आपराधिक रिकॉर्ड है। रविवार को एक अदालत ने दोनों मुख्य आरोपियों को एक दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। इसके अलावा अन्य 12 आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। पुलिस ने अदालत को सूचित किया कि मुख्य आरोपी को 15 अप्रैल को शोभा यात्रा के बारे में पता चला और उसने सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की साजिश रची थी।

गिरफ्तार किए गए लोगों में से एक अंसार के रिकॉर्ड से पता चलता है कि उस पर शस्त्र और जुआ अधिनियम के तहत पांच बार मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने कहा कि वह मारपीट के दो मामलों में भी शामिल था और पहले भी उसे कई बार एहतियातन गिरफ्तार किया जा चुका है।

कथित तौर पर एक पुलिस वाले को गोली मारकर घायल करने वाले असलम (21) को 2020 में जहांगीरपुरी पुलिस स्टेशन में दर्ज किए गए घातक हथियारों से हमला, निषेधाज्ञा का उल्लंघन करने और आपराधिक धमकी देने के मामले में भी शामिल पाया गया है।

कानून की नजर में लाउडस्पीकर का विरोध

सुप्रीम कोर्ट कर चुका है साफ- जबरन ऊंची आवाज मौलिक अधिकार का उल्लंघन

नई दिल्ली। लाउडस्पीकर बजाने के विवाद में विरोध का पहला कारण अनचाहे शोर यानी ध्वनि प्रदूषण को लेकर है। सुप्रीम कोर्ट ध्वनि प्रदूषण पर रोक के मामले में दिए अपने फैसले में कह चुका है कि जबरदस्ती ऊंची आवाज यानी तेज शोर सुनने को मजबूर करना मौलिक अधिकार का हनन है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले, मौजूदा नियम कानून देखें तो तय सीमा से तेज आवाज में लाउडस्पीकर नहीं बजाया जा सकता।

सबसे अहम फैसला 18 जुलाई 2005 का

ध्वनि प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट का सबसे अहम फैसला 18 जुलाई, 2005 का है जिसमें कोर्ट ने कहा था कि हर व्यक्ति को शांति से रहने का अधिकार है और यह अधिकार जीवन के मौलिक अधिकार का हिस्सा है। लाउडस्पीकर या तेज आवाज में अपनी बात कहना अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार में आता है, लेकिन अभिव्यक्ति की आजादी जीवन के अधिकार से ऊपर नहीं हो सकती।

किसी को भी शोर करने का अधिकार नहीं

किसी को इतना शोर करने का अधिकार नहीं है जो उसके घर से बाहर जाकर पड़ोसियों और अन्य लोगों के लिए परेशानी पैदा करे। कोर्ट ने कहा था कि शोर करने वाले अक्सर अनुच्छेद 19(1)ए में मिली अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार की शरण लेते हैं। लेकिन कोई भी व्यक्ति लाउडस्पीकर चालू कर इस अधिकार का दावा नहीं कर सकता।

यह मौलिक अधिकार का उल्लंघन

अगर किसी के पास बोलने का अधिकार है तो दूसरे के पास सुनने या सुनने से इन्कार करने का अधिकार है। लाउडस्पीकर से जबरदस्ती शोर सुनने को बाध्य करना दूसरों के शांति और आराम से प्रदूषणमुक्त जीवन जीने के अनुच्छेद-21 में मिले मौलिक अधिकार का उल्लंघन है। अनुच्छेद 19(1)ए में मिला अधिकार अन्य मौलिक अधिकारों को हतोत्साहित करने के लिए नहीं है।

दिल्ली में ओला-उबर टैक्सी ड्राइवरों की हड़ताल

नई दिल्ली। दिल्ली में सोमवार को टैक्सी, ऑटो ओला और उबर से सफर करने वाले लोगों को खासी मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा. दरअसल सभी कैब ड्राइवरों ने लगातार हो रहे पेट्रोल-डीजल और सीएनजी के दामों में इजाफे के बाद दो दिनों की हड़ताल का ऐलान किया है, इसलिए आज टैक्सी, ऑटो, मिनी बस, ओला और उबर का इस्तेमाल करने वाले लोगों को दिनभर भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ जाएगा. पेट्रोल और डीजल के दामों में लगातार बढ़ोतरी के बाद अब कैब ड्राइवर एसोसिएशन ने टैक्सी किराया बढ़ाने की मांग की है. साथ ही सीएनजी की कीमतों में कमी किए जाने की भी मांग की गई है. अपनी मांग के चलते ही एसोसिएशन ने दो दिन की हड़ताल का ऐलान किया है. वहीं दूसरी तरफ दिल्ली ऑटो रिक्शा संघ की तरफ से भी

सीएनजी पर सब्सिडी की मांग की गई है. संघ का कहना है कि सरकार अगर उनकी मांग नहीं सुनती, तो वो भी हड़ताल करेंगे.

कैब ड्राइवर कर रहे हैं किराया बढ़ाने की मांग-दरअसल, कई ऑटो, कैब ड्राइवर मांग कर रहे हैं कि कैब के दामों में इजाफा किया जाए और CNG की कीमतें घटाई जाएं. हालांकि, इस मामले में दिल्ली सरकार ने ड्राइवरों को समस्या का हल निकालने का आश्वासन दिया था, लेकिन उसके बावजूद ड्राइवरों ने हड़ताल बुलाने का फैसला किया है. बता दें कि इस मामले में दिल्ली सरकार ने कमेटी बनाकर ड्राइवर्स की मांगों पर चर्चा करने की बात कही है. वहीं एसोसिएशन का दावा है कि दो दिन की हड़ताल में ज्यादातर कैब और ऑटो ड्राइवर्स हिस्सा लेंगे.

'CNG की बढ़ोतरी से ऑटो ड्राइवरों को उठानी पड़ रही है काफी मुश्किलें'-दिल्ली ऑटो रिक्शा संघ के महासचिव राजेंद्र सोनी का कहना है कि ष्टहत्त के दामों में बढ़ोतरी के बाद से ही ऑटो ड्राइवरों को काफी मुश्किलें उठानी पड़ रही हैं. उन्होंने कहा कि हमें पचा चला है कि दिल्ली सरकार कोई समिति बना रही है लेकिन हमें अपनी समस्याओं का समाधान चाहिए।

भारत को इस्लामिक देश बनने से रोकना है तो अधिक बच्चे पैदा करें हिंदू

महंत यति नरसिंहानंद ने फिर उगला 'जहर'

शिमला। विवादित महंत यति नरसिंहानंद के संगठन ने भारत को इस्लामिक देश बनने से बचाने के लिए हिंदुओं से अधिक बच्चों को जन्म देने की अपील की है। हरिद्वार में घृणा भाषण मामले में जमानत पर बाहर आए महंत ने इस महीने मथुरा में हिंदुओं से देश को आगामी दशकों में हिंदू-विहीन बनने से रोकने के लिए अधिक बच्चों को जन्म देने का अनुरोध किया था।

अखिल भारतीय संत परिषद के हिमाचल प्रदेश के प्रभारी यति सत्यदेवानंद सरस्वती ने बताया कि भारत एक लोकतांत्रिक देश है, क्योंकि यह हिंदू बहुल है। उन्होंने हिमाचल प्रदेश में ऊना जिले के मुबारकपुर में संगठन की तीन दिवसीय 'धर्म संसद' के पहले दिन दावा किया कि मुसलमान नियोजित तरीके से कई बच्चों को जन्म देकर अपनी आबादी बढ़ा रहे हैं। इसलिए हमारे संगठन ने भारत को इस्लामिक देश बनने से रोकने के लिए हिंदुओं से अधिक बच्चों को जन्म देने के लिए कहा है।

जमानत पर रिहा हैं महंत यति नरसिंहानंद

जनवरी में हरिद्वार में एक कार्यक्रम आयोजित करने को लेकर यति नरसिंहानंद को गिरफ्तार किया गया था। इस कार्यक्रम में मुसलमानों के नरसंहार का आह्वान किया गया था। इस मामले में यति नरसिंहानंद को 18 फरवरी को जमानत पर रिहा कर दिया गया। उनकी जमानत शर्तों में से एक यह भी है कि वह इस तरह के आयोजनों में भाग नहीं ले सकते हैं।वहीं, तीन अप्रैल को दिल्ली के बुराडी ग्राउंड में हिंदू महापंचायत का आयोजन किया गया था। हालांकि इसके लिए दिल्ली पुलिस ने अनुमति नहीं दी थी। इस सम्मेलन में यति नरसिंहानंद और सुरेश चव्हाण ने भड़काऊ भाषण दिया था।

दिल्ली एनसीआर सहित इन राज्यों में फिर बढ़ने लगा पारा, झेलने होंगे लू के थपेड़े

नई दिल्ली। दिल्ली एनसीआर में गर्मी का प्रकोप फिर से बढ़ने लगा है। तापमान तेजी से बढ़ रहा है तो सोमवार से लू चलने की भी संभावना जताई जा रही है। मौसम विभाग के मुताबिक तीन दिन तक राहत के कोई आसार नहीं हैं। इसके बाद पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता से तेज हवा चलने पर गर्मी से आंशिक राहत मिल सकती है। हालांकि, बारिश होने की संभावना इस सप्ताह भी नहीं है। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि सोमवार को आसमान साफ रहेगा। कुछ जगहों पर लू चलने के आसार हैं। अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 42 और 23 डिसे रहने की संभावना है। वहीं, स्काईमेट वेदर के मुताबिक सोमवार से बुधवार तक तीन दिन

लू चलेगी। इसके बाद पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा तो दो-तीन दिन आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और तेज हवा भी चलेगी। इससे तापमान में आंशिक गिरावट के साथ लू से भी राहत मिलेगी। बता दें कि पिछले सप्ताह मौसम में आए बदलाव के कारण दिल्लीवासियों को गर्मी से कुछ राहत मिली थी। पहाड़ों में बारिश होने के कारण निचले क्षेत्रों में भी बादल छाए रहे और हल्की बारिश देखी गई। आईएमडी के अनुसार, सोमवार यानी आज 18 अप्रैल से मौसम में एक बार फिर बदलाव देखने को मिलेगा। इस पूरे सप्ताह मौसम साफ रहेगा, जिससे गर्मी एक बार फिर अपने चरम पर पहुंच सकती है। पिछले सप्ताह बादल छाए रहने के कारण तापमान में एक से दो डिग्री की गिरावट दर्ज की गई थी।

इन राज्यों में हीट वेव की स्थिति रहेगी

आईएमडी के अनुसार, दिल्ली के साथ ही हरियाणा, पंजाब और राजस्थान में 19 अप्रैल के बीच अलग अलग जगहों पर हीट वेव रहेगी। ऐसे में दिल्ली एनसीआर में लू के थपेड़े लोगों को परेशान कर सकते हैं। साथ ही यह भी जानकारी मिली है कि 19 और 20 अप्रैल को सामान्य से ज्यादा तेज गर्म हवाएं चलेंगी। ?हीट वेव के कारण तापमान में भी बढ़ोतरी होगी। मौसम विभाग के अनुसार इस सप्ताह दिल्ली का तापमान एक बार फिर 40 डिग्री पार जा सकता है। मौसम विभाग का कहना है कि लू चलने से तापमान में दो से तीन डिग्री की बढ़ोत्तरी हो सकती है। ऐसे में अधिकतम तापमान 40 से 43 डिग्री और न्यूनतम तापमान 23 से 26 डिग्री तक रह सकता है।

इन राज्यों में बारिश की संभावना

स्काईमेट वेदर के मुताबिक अगले 24 घंटों के दौरान, असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती तथा एक-दो स्थानों पर भारी बारिश संभव है।

कोरोना का कहर, एयर इंडिया की उड़ानों पर हांगकांग ने लगाया बैन, 24 अप्रैल तक जारी रहेगा प्रतिबंध

नई दिल्ली। हांगकांग ने कुछ यात्रियों के कोरोना से संक्रमित पाए जाने के बाद नई दिल्ली और कोलकाता से आने वाली एयर इंडिया की उड़ानों पर 24 अप्रैल तक के लिए बैन लगा दिया है. यहां कोरोना मामले बढ़ने के बाद हांगकांग सरकार की तरफ से कुछ नियम जारी किए गए हैं. इसमें कहा गया है कि अब भारत से यात्री हांगकांग तभी पहुंच सकते हैं, जब उनके पास यात्रा से 48 घंटे पहला का नेगेटिव कोविड टेस्ट हो. इससे पहले इसी साल जनवरी में हांगकांग ने भारत सहित आठ देशों से आने वाली उड़ानों पर दो सप्ताह के प्रतिबंध की घोषणा की थी.

एयर इंडिया ने रविवार को ट्वीट किया, 'हांगकांग के अधिकारियों द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों और सेक्टर पर सीमित मांग के कारण हांगकांग जाने वाली हमारी उड़ानें रद्द कर दी गई हैं.' पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के हांगकांग विशेष प्रशासनिक क्षेत्र की सरकार ने इसके संदर्भ में एक बयान जारी किया है. आमतौर पर इसको हांगकांग सरकार या एचकेएसएआर सरकार के रूप में भी जाना जाता है. उन्होंने कहा है कि यह प्रतिबंध ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, कनाडा, फ्रांस, भारत, पाकिस्तान, फिलीपींस और संयुक्त राज्य अमेरिका के यात्रियों को प्रभावित करेगा,

जिसमें यात्रियों को ट्रांसफर करना भी शामिल है.

यात्रियों के कोरोना पॉजिटिव होने के बाद लिया फैसला

HKSAR के मुख्य कार्यकारी कैरी लैम ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उड़ान निलंबन की घोषणा की थी. लैम ने आगे कहा कि स्थानीय कोविड-19 स्थिति में तेजी से बदलाव के कारण उड़ान निलंबन का निर्णय लिया गया है. एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने कहा कि हांगकांग ने एयर इंडिया की सेवाओं पर 24 अप्रैल तक प्रतिबंध लगा दिया है, क्योंकि इसकी एक उड़ान के तीन यात्री शनिवार को कोरोना जांच में पॉजिटिव पाए गए हैं.

हांगकांग में दो वैक्सीन के क्लिनिकल ट्रायल को मिली मंजूरी

हांगकांग में दो दिन पहले ही चीन के नेशनल बायोटेक ग्रुप की यूनिट्स ने दो कोविड-19 वैक्सीन को बूस्टर डोज के रूप में क्लीनिकल ट्रायल के लिए अप्रूव किया है. इसकी जानकारी सिनोफार्म की सहायक कंपनी ने शनिवार को दी. बताया जा रहा है कि दोनों वैक्सीन कोरोना वायरस के ओमिक्रॉन वेरिएंट को टारगेट करने के मकसद से तैयार की गई हैं. एक बयान में कहा गया है कि इन दो कोरोना वैक्सीन का ट्रायल उन लोगों पर किया जाएगा, जिन्होंने पहले ही वैक्सीन की दो या तीन डोज लगवा लीं हैं.

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार बुद्धि के सिवाय विचार प्रचार का कोई दूसरा शस्त्र नहीं है, क्योंकि ज्ञान ही अन्याय को मिटा सकता है। - शंकराचार्य

संपादकीय

दिल का इलाज

हृदय रोग के इलाज की दिशा में एक बड़ी कामयाबी के संकेत स्वागतयोग्य हैं। वैज्ञानिकों ने पता लगाया है कि हृदय रोग के उपचार में उसी आनुवंशिक ट्रैकिंग तकनीक का उपयोग किया जा सकता है, जिसका उपयोग कुछकोविड-19 के टीके विकसित करने के लिए किया गया है। सहज शब्दों में कहें, तो इस चिकित्सकीय तकनीक के माध्यम हृदय घात या कार्डियक अरेस्ट से क्षतिग्रस्त हुए दिल को ठीक करने में मदद मिल सकती है। किंग्स कॉलेज लंदन के वैज्ञानिकों ने एमआरएनए का अध्ययन कर पता लगाया है कि आनुवंशिक कोड स्वस्थ हृदय कोशिकाओं को बनाने के लिए प्रोटीन उत्पन्न करते हैं। फाइजर और मोदेरना इत्यादि कोविड टीके इसी चिकित्सकीय तकनीक का उपयोग करके विकसित किए गए हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, इस अभूतपूर्व खोज से दिल के दौरे का इलाज हो सकेगा। प्रमुख शोधकर्ता प्रोफेसर मौरो गियाका के मुताबिक, 'हम सभी अपने दिल में मांसपेशियों की कोशिकाओं की एक निश्चित संख्या के साथ पैदा होते हैं और वे बिल्कुल वही हैं, जिनके साथ हम मरेंगे।' उन्होंने बताया कि दिल के दौरे के बाद दिल में खुद को ठीक करने की स्वत- क्षमता नहीं होती है। लेकिन अब एक ऐसे उपचार की खोज संभव है, जिसके तहत जीवित कोशिकाओं को बढ़ाने के लिए तैयार किया जा सकता है। दिल का दौरा दिल की मांसपेशियों पर कहर ढाता है, जिससे करीब 100 अरब कोशिकाएं मर जाती हैं। ऐसे में, जिन चंद जीवित कोशिकाओं की वजह से मरीज की जान बचती है, उन कोशिकाओं को ही अगर मजबूती व विस्तार मिले, तो इससे बेहतर और क्या हो सकता है? इसमें कोई शक नहीं है कि दिल के दौरे की वजह से क्षतिग्रस्त हुए दिल के अंश को पुनर्जीवित करना एक पुराना सपना रहा है, फिलहाल यह सपना साकार नहीं होने जा रहा है। अभी मोटे तौर पर इस बात पर वैज्ञानिक सहमत हैं कि इस तकनीक से नई कोशिकाएं मृत कोशिकाओं की जगह ले लेंगी और दिल का दौरा फिर नहीं पड़ेगा। इसके अलावा यह भी खुशखबरी है कि गियाका की शोध टीम, जो किंग्स कॉलेज लंदन के ब्रिटिश हार्ट फाउंडेशन सेंटर फॉर रिसर्च एक्सीलेंस में स्थित है, दिल का दौरा पड़ने के बाद कोशिकाओं को मरने से रोकने के लिए एक दवा पर भी काम कर रही है। यह दरअसल दिलों को फिर से बनाने की दिशा में चल रहा वैज्ञानिक कार्य है। ध्यान रहे, दुनिया में 32 प्रतिशत मौतें दिल के जवाब देने की वजह से होती हैं, जिनमें से करीब 85 प्रतिशत मौतें दिल के दौरे से होती हैं। दुनिया में हर साल 17 करोड़ से ज्यादा लोग हृदय रोग के शिकार होते हैं, इनमें ऐसे लोगों की बड़ी संख्या होती है, जो महंगे इलाज से वंचित हैं। गरीब और निम्न आय वर्ग के लोगों के लिए हृदय रोग बहुत ही घातक स्वरूप में सामने आता है। ऐसे लोगों को अगर किसी भी तरह की सर्जरी से बचाया जा सके, तो यह एक बड़ी सफलता होगी। स्टेम सेल विज्ञान से भी उम्मीदें रही हैं, लेकिन इस दिशा में ज्यादा तेजी देखने में नहीं आ रही है। अंगों को स्वाभाविक रूप से विकसित करने में स्टेम सेल विज्ञान को कामयाब होने में वर्षों लगेंगे। लेकिन इंग्लैंड के वैज्ञानिकों को जो ताजा सफलता मिली है, उसी पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है। आने वाले समय में दिल की नई दवा आएगी या दिल का कोई टीका आएगा। वैज्ञानिकों केअनुसार, हमें हृदय देखभाल क्षेत्र में नई क्रांति का इंतजार करना चाहिए।

आज के कार्टून

भावनात्मक सुरक्षा

सद्गुरु

जिन्होंने अपना जीवन अपने हाथों में नहीं लिया है, उनका ध्यान हमेशा कोई न कोई चीज से भटकाती रहती है। तो उपकरण कोई समस्या नहीं हैं, समस्या अपनी आदतों से मजबूर होकर कोई काम करना है। हमें अपने युवाओं, बच्चों और बड़ों को भी यह समझाना होगा कि हमें अपने जीवन में किसी भी आदत से मजबूर नहीं होना है। खाना खाना, बैठना, खड़े होना, और काम करना, यह सभी चीजें जागरूकता के साथ होनी चाहिए। अगर हम यह सब जागरूकता के साथ करते हैं, तो हमारा यंत्रों का उपयोग करना भी एक जागरूक प्रक्रिया हो जाएगा। हमें जानकारियों के बारे में शिकायत नहीं करनी चाहिए। 100 साल पहले, अगर हमसे केवल 100 कि.मी. की दूरी पर भी कोई दुर्घटना घटती थी, या कुछ अच्छा घटता था, तो उसके बारे में हमें एक महीने बाद पता चलता था। आज, सारी दुनिया में क्या हो रहा है यह आप को उसी क्षण पता चल जाता है। तो तकनीक अच्छी या खराब नहीं होती। इसमें अपना कोई गुण नहीं है-ये इस बात पर निर्भर करता है कि आप इसे कैसे उपयोग में लाते हैं? आप जो भी अन्य तकनीकें इस्तेमाल करते हैं-टेलीफोन, मोबाइल फोन, कम्प्यूटर या सोशल मीडिया-वे उतनी उन्नत या गूढ़ नहीं हैं, जितना कि हमारा मानव तंत्र-इस धरती पर सबसे उन्नत, सबसे बेहतर उपकरण। आप को पहले इसकी तरफ ध्यान देना चाहिए, फिर बाकी सभी को आप स्वाभाविक रूप से संभाल पाएंगे। वरना तकनीकों का जो अदभुत उपहार हमें मिला है, वह अत्यन्त तनावपूर्ण हो जाएगा। अधिकांश मनुष्यों में भावनाएं सबसे बड़ा आयाम होती हैं, इसलिए भावनात्मक सुरक्षा सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण है। अगर एक मनुष्य वास्तव में जागरूक बन जाए तो भावनाओं से फर्क नहीं पड़ता, वरना भावनाएं एक महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करती हैं। इसलिए बचपन से ही बच्चों को भावनात्मक सुरक्षा मिलनी चाहिए। इसका अर्थ यह है कि उनके आसपास, चारों ओर एक प्यार भरा वातावरण होना चाहिए इसलिए बचपन से ही बच्चों को भावनात्मक सुरक्षा मिलनी चाहिए। इसका अर्थ यह है कि उनके आसपास, चारों ओर एक प्यार भरा वातावरण होना चाहिए सिर्फ घर पर ही नहीं, बल्कि स्कूल में भी, गली में भी, जहां भी बच्चा जाए, उसे प्यार भरा, स्नेह भरा, स्वागतपूर्ण वातावरण मिलना चाहिए।

- पुलिस- राजनीति के संबंधों पर एनसीआर के कार्यक्रम में बोले चीफ जस्टिस

पुलिस का जनता से गठबंधन हो तभी इकबाल कायम होगा

अजय सिंह शक्तावत

---- देश के चीफ जस्टिस ने कहा, 'पुलिस को राजनीतिक वर्ग के साथ गठजोड़ को तोड़कर सामाजिक वैधता और जनता के विश्वास को फिर से हासिल करने का प्रयास करना चाहिए। उनको नैतिकता और अखंडता के साथ खड़ा होना चाहिए। यह सभी संस्थानों के लिए सही है।' मुख्य न्यायाधीश ने यह भी कहा कि कुछ पुलिसवालों की भ्रष्टाचारी और उनकी ज्यादतियों के कारण लोगों में उनको लेकर विश्वास कम हुआ है। हर किसी का सम्मान नहीं किया जाता और हर कोई सम्मान का हकदार भी नहीं होता। दरअसल, सम्मान हृदय का वो भाव होता है जो उस खास के प्रति व्यक्त किया जाता है, जिसका संपर्क—सान्निध्य हमें उल्लासित करता है, प्रेरणा देता है, मार्गदर्शन करता है और हौसला बढ़ाता है। डर से किया गया सम्मान महज मजबूरी है, लाचारी है, बेबसी है। तुलसी दास जी ने भी सुन्दर कांड में अपने दोहे में कहा था।, भय बिन होय न प्रीति। हृदय से स्वयं प्रकट हुआ स्नेह अथवा अपनापन ही असली सम्मान है। उसके लिए जरूरी नहीं कि वह नजदीक ही हो। वह कहीं भी हों, उनकी चर्चा या स्मरण मात्र से उनके प्रति आदर से मस्तक का झुक जाना ही सम्मान है। भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति एनवी रमण ने पुलिस के प्रति आमजन के बीच गिरते सम्मान पर एनसीआर में पिछले दिनों आयोजित एक कार्यक्रम में कहा था कि परेशानी के समय में भी अब लोग पुलिस के पास जाने से कतराते हैं, क्योंकि अब खाकी वर्दी में निष्पक्षता की कमी और राजनीतिक वर्ग के साथ घनिष्ठ संबंध के चलते इकबाल काफी कम हुआ है। मुख्य न्यायाधीश ने यह भी कहा कि कुछ पुलिसवालों की भ्रष्टाचारी प्रवृति और उनकी ज्यादतियों के कारण लोगों में उनको लेकर विश्वास कम हुआ है। उन्होंने कहा, 'यही नहीं, अक्सर पुलिस अधिकारियों ने शासन परिवर्तन के बाद परेशान किए जाने की शिकायत की है।' चीफ जस्टिस ने ये भी कहा, 'पुलिस को राजनीतिक वर्ग के साथ गठजोड़ को तोड़कर सामाजिक वैधता और जनता के विश्वास को फिर से हासिल करने का प्रयास करना चाहिए। उनको नैतिकता के साथ खड़ा होना चाहिए। यह सभी संस्थानों के हित में है।'मुख्य न्यायाधीश ने कहा, 'पुलिस अधिकारी आधारभूत संरचना और श्रमशक्ति की कमी, निम्न स्तर पर अमानवीय स्थिति, आधुनिक उपकरणों की कमी, सबूत जुटाने के संदिग्ध तरीके, रूलबुक का पालन करने में विफल रहे हैं। अधिकारियों की जवाबदेही की कमी ऐसे मुद्दे हैं, जो पुलिस व्यवस्था को प्रभावित कर रहे हैं।' यहां इस घटना का उल्लेख करना आवश्यक है कि राजस्थान में शासन बदलने के बाद कई अफसरों को बढ़ते हुए अपराध पर नियंत्रण नहीं करने से एपीओ कर दिया जाता है , उन्हें पद स्थापन की प्रतीक्षा में रखा जाता है ,कई अफसरों का तबादला कर दिया जाता हैं। हो सकता है ये शासन का नियम हो, नई सरकार अपने प्यादो को एडजस्ट करती हो। जो चहेता है उसे मन माफिक पोस्टिंग और जो नहीं है उसे 'बर्फ ' में लगा दिया जाता हैं। दरअसल चीफ जस्टिस ने इसी व्यवस्था पर सबका ध्यान केंद्रित किया है , जो कमोबेश महज राजस्थान का ही मसला नहीं है ये उन सभी प्रांतो का मसला है जहां खाकी वर्दी , सफेदपोश लोगो के रहमो -करम पर चलती हैं। हद तो ये है एक अपनापन का भाव पुलिस और नागरिक के बीच होने की बात कही जाती है, उस मामले में वे शून्य हो जाते हैं। राजनीतिज्ञ तो लगभग उन्हें अपना गुलाम ही समझने लगते हैं और यदि वह उनके इशारे पर कुछ करने से आनाकानी करते हैं तो फिर उनका हश्र यही होता है जो सरकारे करती है। यही नहीं सरकार के किसी विधायक की किसी अफसर के साथ पटरी नहीं बैठी तो वो अफसर चलता बन जाता है ,यानि वो फिर फील्ड की नौकरी नहीं कर पाता हैं। लेकिन यह बात तो ठीक ही है कि जिन्हें जनता के साथ मित्रवत व्यवहार करना चाहिए, वे जनता से कोसों दूर चले जाते हैं। अभी हाल ही में यूपी के गाजियाबाद के एसएसपी पवन कुमार को शासन ने पिछले महीने निलंबित कर दिया। जिले में पहली बार पद पर रहते हुए कोई एसएसपी इस प्रकरण में निलंबित हुआ है। उनके निलंबित होने के पीछे का कारण यह बताया जा रहा है कि उन्होंने बढ़ते हुए अपराध पर नियंत्रण नहीं किया। साथ ही आम जनता से बेहतर तालमेल की कमी के अलावा भाजपा नेताओं से उनकी टकराहट को प्रमुख कारण माना जा रहा है। 2009 बैच का यह आईपीएस अधिकारी सात महीने के अपने गाजियाबाद कार्यकाल में कई बार चर्चा में रहे। कई कारणों से उनकी चर्चा भी हुई। अब इस सच्चाई की जांच तो होगी ही और सच क्या है, यह भी एक दिन सामने तो आएगा ही, जो गाजियाबाद के एसएसपी पवन कुमार का हुआ। कहा तो यही जा रहा है सत्तासीन दल के कुछ नेताओं की शिकायत पर उन्हें निलंबित किया गया, उन्हें अपमानित किया गया। अब ऐसी स्थिति में पुलिस अधिकारी करे तो क्या ? निश्चित रूप से इस पर भी देश के माननीय प्रधान न्यायाधीश को विचार करना चाहिए। गाजियाबाद के एसएसपी पर गाज गिरना तो एक उदाहरण है, जबकि देश के कई पुलिस अधिकारी ऐसे हैं जो अपनी नौकरी बचाने के लिए सत्तासीन की जी-हजूरी करने को मजबूर हो जाते हैं। दरअसल, हम पुलिस की भूमिका के बारे में पुलिस सेवाओं की शर्तों से अनभिज्ञ रहते हैं। भारतीय पुलिस को हमारी सुरक्षा के असीमित अधिकार दिए गए हैं। जिस प्रकार सीमा पर राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए हमारे जवान दिन-रात लगे रहते हैं, उसी प्रकार आंतरिक सुरक्षा के लिए हमारी पुलिस भी सदैव तत्पर रहती है। देश के अंदर की सुरक्षा और कानून- व्यवस्था की देखरेख पुलिस करती है। समाज में किसी भी प्रकार के अपराध को रोकना पुलिस का कर्तव्य है। लोग कभी भी अपनी सुरक्षा या किसी भी प्रकार की गंभीर समस्या के खिलाफ शिकायत पुलिस से कर सकती है। आम जनता पुलिस से अपने बचाव के लिए मदद मांग सकती है और रिपोर्ट दर्ज करवा सकती है। पुलिस का कर्तव्य और दायित्व है कि वह समाज में चोरी, डकैती, हत्या, दंगे जैसे अपराधों पर नियंत्रण के साथ समाज में शांति व्यवस्था बनाए रखे। देश की सारी संपत्ति, सार्वजनिक जगहों की सुरक्षा पुलिस करती है। सभी नागरिकों के जान की सुरक्षा करना पुलिस की अहम जिम्मेदारी है। राजनीति और राजनीतिज्ञों के प्रति कितना लगाव तथा समर्पण पुलिस का होता है, इसका एक ज्वलंत उदाहरण बिहार के पूर्व डीजीपी गुप्तेश्वर पाण्डेय को लिया जा सकता है। गुप्तेश्वर पाण्डेय 1987 बैच के आईपीएस हैं। अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की रहस्यमय मौत के मामले में बिहार सरकार का खुलकर पक्ष लेने के कारण वह देशभर में चर्चित हुए थे। बिहार के पूर्व डीजीपी गुप्तेश्वर पाण्डेय पहले प्रदेश में 'रॉबिनहुड' की भूमिका में नजर आते थे। अपने उच्च पद से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेकर सत्ता लोभ के कारण उन्होंने राजनीति में कदम रखा और नेता बन गए।

पुलिस की वर्दी का त्याग करके नेता का रूप धारण करने के बाद भी बिहार की विवादित राजनीति के कारण उन्हें वर्ष 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में टिकट से वंचित रहना पड़ा। अब पिछले कुछ दिनों से वह बिल्कुल नए अवतार में नजर आ रहे हैं। गेरुआ वस्त्र धारण करके गुप्तेश्वर पाण्डेय अब कथावाचक बन गए हैं। देशभर के शहरों के मंदिरों में घूम-घूम कर आध्यात्मिक प्रवचन देते हैं। ऐसा होता है पुलिस का राजनीतिज्ञों के साथ संबंध।

संवेदनाओं के स्पंदन उकेरने का जुनून

अरुण नैथानी

मानवीय संवेदनाओं को जीवंतता के साथ उकेरने के लिये माध्यम चाहे कोई भी हो, उसके पीछे का जुनून ज्यादा मायने रखता है। समर्पण और कला पारखी दृष्टि ही उसे सार्थक ढंग से प्रस्तुत कर पाती है। यही जुनून ही बाद में व्यक्ति को वैश्विक परिदृश्य में विशिष्ट स्थान दिलाता है। नारी सरोकारों के ज्वलंत मुद्दों पर काम करने वाली चंडीगढ़ की स्पंदिता मलिक द्वारा अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित 'द 30 : न्यू एंड इमर्जिंग फोटोग्राफर्स टू वॉच' स्पर्धा में स्थान बनाना ऐसी ही कामयाबी को दर्शाता है। अमेरिका को अपनी कार्यस्थली बनाने वाली चंडीगढ़ में जन्मी छायाकार स्पंदिता प्रतियोगिता-2022 संस्करण में स्थान बनाने वाली दक्षिण एशिया की पहली शख्स हैं। यहां उल्लेखनीय है कि प्रतियोगिता में दुनियाभर के 330 फोटोग्राफरों ने नामांकन कराया था जिसमें केवल तीस ही अंतिम मुकाबले में टिक पाये। बताते चलें कि विश्व के पचास से अधिक नामी संपादकों, क्यूरेटरों, गैलरी निदेशकों, प्रकाशकों, अभिकर्ताओं तथा फोटोग्राफरों के एक समूह ने प्रतिभागियों का चयन किया। भारत के लिये उपलब्धि दर्ज कराने वाली स्पंदिता मलिक चंडीगढ़ के सेक्रेड हार्ट स्कूल की छात्रा रही हैं। यहां से प्रारंभिक शिक्षा हासिल करने वाली स्पंदिता ने निफ्ट दिल्ली से फैशन डिजाइनिंग में स्नातक की उपाधि हासिल की। बाद में वह उच्च स्तरीय शिक्षा हासिल करने के लिये अमेरिका चली गईं। भारतीय नारी के जीवन की त्रासदियां स्पंदिता को विचलित करती रही हैं। इसलिये उन्होंने महिला अधिकारों और लैंगिक हिंसा पर अपना ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने महसूस किया कि भारतीय राजनीतिक-सामाजिक परिदृश्य में एक आम महिला की त्रासदियों को लेकर संवेदनशील पहल नहीं हो पा रही है। उन्होंने देश में तमाम उन स्थानों का दौरा किया जहां परंपरागत कपड़ों की कलाकारी वाली कढ़ाई का काम होता था। उन्होंने एक विशेष प्रोजेक्ट के तहत इन महिलाओं की दिक्कतों का डॉक्यूमेंटेशन किया। उनके दुख-दर्द को करीब से महसूस किया। इन कामगारों का मनोबल बढ़ाने के लिये उनकी फोटुओं पर कढ़ाई करवायी, जिसके माध्यम से वे भारतीय श्रमशील महिलाओं की सामाजिक व मानसिक स्थितियों को उकेरने में कामयाब रहीं। बाद में स्पंदिता ने अपने फोटोग्राफी के जुनून को निखारने का मन बनाया। इसके लिये वर्ष 2019 में उन्होंने अमेरिका के पार्सन्स स्कूल ऑफ डिजाइन से फोटोग्राफी में एमएफए की उपाधि हासिल की। उनके फोटोग्राफी के जुनून व कला-कौशल को संस्थान ने प्रतिष्ठा दी। इसके लिये उन्हें कई पुरस्कार भी मिले जिसमें डीन की मेरिट स्कॉलरशिप, फोटोग्राफी प्रोगामेटिक स्कॉलरशिप और ग्रेजुएट ट्रेवल ग्रांट अवार्ड जैसे सम्मान भी शामिल हैं। फोटोग्राफी के इस जूनून ने स्पंदिता को खासी प्रतिष्ठा दिलायी। उन्हें एन फोको फोटोग्राफी फैलोशिप (2021) और पटाखा फोटोग्राफिक ग्रांट (2020) से भी सम्मानित किया गया। स्पंदिता को फोम पॉल हफ अवार्ड (2020) के लिए नामांकित किया गया था। वे एपर्चर पोर्टफोलियो पुरस्कार (2021) के लिए फाइनलिस्ट थीं। उन्हें रेजीडेंसी प्रोग्राम, वुडस्टॉक, एनवाई (2021) में वुडस्टॉक आर्टिस्ट में फोटोग्राफी के लिए चुना गया था। समकालीन कला के बेमिस केंद्र (2021); न्यूयॉर्क में बैक्सटर सेंट वर्कस्पेस रेजीडेंसी (2020); न्यू जर्सी में नारीवादी इनक्यूबेटर रेजीडेंसी (2020) के लिये भी उनका चुनाव किया गया। मलिक के काम को आर्टी, आर्ट स्पील, बज़फीड, मुसी मैगज़ीन, हार्पर मैगज़ीन और एलीफेंट मैगज़ीन में स्थान मिला है। उन्हें ब्रिटिश जर्नल ऑफ़ फ़ोटोग्राफ़ी द्वारा 'वन्स टू वॉच 2020' में शामिल किया गया था। मलिक का एक एकल शो 'वधु - द एम्ब्रायडर्ड ब्राइड', अक्तूबर, 2021 में बैक्सटर सेंट, एनवाई में आयोजित किया गया। उनके काम को चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इटली, न्यूयॉर्क, न्यूजीलैंड और यूएई में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित किया गया है। मलिक वर्तमान में कैनसस सिटी आर्ट इंस्टीट्यूट में विजिटिंग असिस्टेंट प्रोफेसर हैं। दरअसल, 'द-30' वैश्विक स्तर पर चलायी जाने वाली ऐसी स्पर्धा है, जो करिअर के आरंभिक दौर से गुजर रहे फोटोग्राफरों को अपना आकाश तलाशने में मदद करती है। उन्हें अपने हुनर को निखारने के लिये अवसर प्रदान करती है। साथ ही इसके जरिये पेशेवर फोटोग्राफी उद्योग में स्थान दिलाने के लिये एक लॉन्चिंग पैड भी उपलब्ध कराती है। इससे पहले नारी सरोकारों को समर्पित स्पंदिता को महिला अधिकारों की रक्षा और उनके खिलाफ हिंसा को दर्शाते प्रोजेक्ट 'नारी' के जरिये खासी चर्चा मिली। न्यूयार्क को अपनी कार्यस्थली बनाने वाली स्पंदिता के इस काम को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान भी मिली। दरअसल, उन्होंने नारी जीवन की त्रासदियों को करीब से महसूस किया और उसे मुखरता प्रदान की। इसकी वजह यह भी थी कि 'नारी' डॉक्यूमेंटेशन और आर्ट का अनूठा संयोजन था। इसमें गरीबी व सामाजिक विसंगतियों की जीवंत छवि थी जो वास्तविकता के साथ उभरकर सामने आईं। साथ ही उन्होंने यौन हिंसा की शिकार स्त्रियों पर भी काम किया। उन महिलाओं से बातचीत करके उनके दुख-दर्द को साझा किया। इसमें सेल्फ-हेल्प समूह में शामिल महिलाएं भी शामिल थीं। महिलाओं ने पितृसत्तात्मक दबाव से मुक्त होकर अपनी बात रखी। स्पंदिता ने लैंस के माध्यम से विचार की सशक्त प्रस्तुति दी जिसके मूल में नारी सशक्तीकरण का भाव था। स्पंदिता का मानना है कि जब महिलाओं को अपने चित्रों पर कढ़ाई करने का आग्रह करती थी तो इससे अपने विचारों को चित्रों में उकेरने से उन्हें नई शक्ति मिलती । इसके साथ ही भारत के समृद्ध शिल्प व कढ़ाई संस्कृति को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान भी मिली। भारत में हैंडीक्राफ्ट की इस मुहिम से कई पीढ़ियों की इस विरासत को आगे बढ़ाने का मौका भी मिला। यहां उल्लेखनीय है कि स्पंदिता के काम को चीन, फ्रांस, इटली और न्यूयार्क आदि में प्रदर्शित करने का मौका मिला। साथ ही सराहना भी मिली।

सू-दोकू नवताल -2095

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

सू-दोकू - 2094 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2095

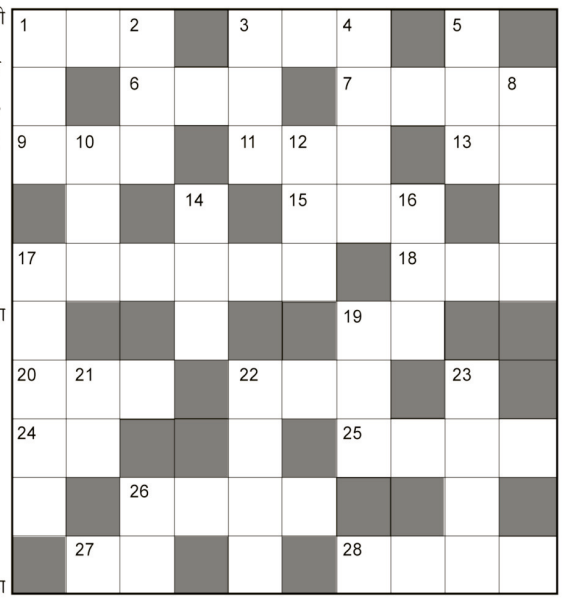

बायें से दायें:-

1. अमिताभ, संजीव कुमार की 'गापुची गापुची गम गम' गीतवाली फिल्म-3
3. 'दिल मेरा कहता है क्या' गीत वाली सुनील शेट्टी, हरीश, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-3
6. तुषार, अंतरा माली की 'मैं लव तुम से' गीत वाली फिल्म-3
7. 'नीले गगन के तले सागर का प्यार पले' गीत वाली फिल्म-4
9. राजेंद्र कुमार की पहली फिल्म जिसकी नायिका गीता बाली थी-3
11. अशोक कुमार, नादिरा की 'काहे जादू किया मुझको इतना बता' गीत वाली फिल्म-3
13. सुपर हिट फिल्म 'शोले' में धर्मेन्द्र के किरदार का नाम-2
15. कुमार गौरव, शरनाज पटेल की 'जिंदगी कब तुम को देखा है' गीतवाली फिल्म-3
17. 'आजा आजा मैं हूं प्यार तेरा' गीत वाली शम्मी कपूर की फिल्म-3,3
18. सतीश कौल, सरिता की बी. आर. इशारा निर्देशित 1974 की एक फिल्म-3
19. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली पूनम ढिल्लो की फिल्म-2
20. गोविंदा, रवीना टंडन की फिल्म-3
22. 'दुनिया में कितना गम है' गीत वाली राजेश खन्ना की फिल्म-3
24. मनोज बाजपेयी, उर्मिला की जोड़ी वाली एक फिल्म-2
25. 'आधा है चंद्रमा रात आधी' गीत वाली महीपाल, संध्या की फिल्म-4
26. विनोद मेहरा की 'तेरे नैनों के मैं दीप जलाऊंगा' गीत वाली फिल्म-4
27. फिल्म 'हम' में नायिका किमी काटकर के किरदार का नाम-2
28. बलराज साहनी, लीला नायडू की 'हाये रे वो दिन क्यूं ना आए' गीत वाली फिल्म-4

ऊपर से नीचे:-

1. 'तिरछी टोपी वाले' गीत वाली फिल्म-3
2. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की फिल्म-3
3. 'एहसान मेरे दिल पे तुम्हारा है दोस्तों' गीत वाली सुनील दत्त, साधना की फिल्म-3
4. अभी गीफा अवॉर्ड्स में किस को फिल्म 'रंग दे बसंती' के लिये सर्वश्रेष्ठ संगीतकार का पुरस्कार मिला है-4
5. ओम पुरी, रघुवीर यादव, शबाना आजमी, माधुरी दीक्षित की सुधीर मिश्रा निर्देशित फिल्म-3
8. बी. आर. इशारा निर्देशित विजय अरोड़ा, रीना राय की 1992 की एक फिल्म-4
10. जिमी शेरगिल, उदय चोपड़ा, इरफान, नम्रता शिरोडकर, ऋषिता की फिल्म-3
12. 'रंग और नूर की बारात किसे' गीत वाली सुनील दत्त, मीना कुमारी की फिल्म-3
14. मिथुन चक्रवर्ती, सारिका की 'साथी हैं हम जनमों के' गीत वाली फिल्म-3
16. 'दिल लूटने वाले जादूगर अब मैंने' गीत वाली रंजन, चित्रा, जयश्री गड़कर की फिल्म-3
17. मिथुन चक्रवर्ती, चंकी पांडे, ऋतुपर्णा, सोमी अली की 'जब मैंने तेरा नाम लिया' गीत वाली फिल्म-3,2
19. फिल्म 'बंदिनी' की नायिका कौन-3
21. 'बेईमान पिया रे' गीत वाली फिल्म-2
22. फिरोज खान, मुमताज की फिल्म-4
23. विनोद खन्ना, आमिर की 'हम बंजारे दिल नहीं देते' गीत वाली फिल्म-4
26. जितेन निर्देशित मिथुन, राखी, नीता मेहता की 1986 की एक फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली- 2094

अ	न	क	ही		फ	की	श		सु
नु		हा		हि	ना		ज	ह	र
शे	श	नी		म्म		मे		स्ती	
ध		कि	स्म	त		रे	खा		गो
	जि	स्म		वा	रि	स		गै	
उ		त	र	ला		न	फ	र	त
पा	ल	की			क	म	र		ह
स			नौ	क	री		हा	सि	ल
ना	श	ज		स	ब	क			का
	खी		श	क		र्ज		डी	

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मारुति कारों के सभी मॉडलों की कीमत बढ़ी

नई दिल्ली । देश की प्रमुख कार विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने अपने सभी मॉडलों की कीमतों में वृद्धि की है। कंपनी ने कहा कि उसने लागत में बढ़ोतरी की वजह से यह फैसला किया। कंपनी ने कहा कि सभी मॉडलों की कीमतों में औसतन 1.3 प्रतिशत (दिल्ली में शोरूम कीमत) बढ़ोतरी की गई है। एमएसआई ने छह अप्रैल को शेयर बाजार को बताया था कि कच्चे माल में तेजी के चलते उसके वाहनों की लागत पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। एमएसआई ने जनवरी 2021 से मार्च 2022 तक अपने वाहनों की कीमतों में लगभग 8.8 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है।

जेएसपीएल का इस्पात उत्पादन मार्च तिमाही में बढ़ा

नई दिल्ली। जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड (जेएसपीएल) ने सोमवार को बताया कि मार्च 2022 को समाप्त तिमाही में उसका इस्पात उत्पादन दो प्रतिशत बढ़कर 21.1 लाख टन हो गया। कंपनी ने कहा कि जनवरी-मार्च में उसकी बिक्री आठ प्रतिशत बढ़कर 20.7 लाख टन रही। वित्त वर्ष 2021-22 में कंपनी ने रिकॉर्ड 81 लाख टन इस्पात उत्पादन किया, जबकि बिक्री 76.3 लाख टन रही। जेएसपीएल ने कहा` कि हमारा लक्ष्य वित्त वर्ष 2022-23 में 90 लाख टन से अधिक उत्पादन करना है।

कोल इंडिया शुरू करेगी ई-नीलामी मंच

कोलकाता । सार्वजनिक क्षेत्र की कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने कहा कि वह अपना ई-नीलामी मंच शुरू करने पर विचार कर रही है और उसने नए एवं मौजूदा बोलीदाताओं को इस पोर्टल पर पंजीकरण कराने को कहा है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह पोर्टल शुरू किए जाने की जानकारी दी। इस समय सीआईएल के ई-नीलामी पोर्टल का प्रबंधन एमजंक्शन और सार्वजनिक क्षेत्र की एमएसटीसी लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है। ई-नीलामी में कोल इंडिया के सालाना करीब 12 करोड़ टन कोयले की बिक्री की जाती है जबकि बाकी बिक्री ईंधन आपूर्ति समझौतों और अन्य विशेष बिक्री खिड़कियों से की जाती है। कोल इंडिया के ई-नीलामी पोर्टल को राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) ने तैयार किया है और यह सीआईएल की अनुषंगी सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट लिमिटेड द्वारा समर्थित है। अधिकारी ने कहा` कि हम अगले छह महीने में आंतरिक रूप से कोयले की ई-नीलामी शुरू करने की उम्मीद कर रहे हैं। नीलामी अच्छी तरह शुरू हो जाए तभी हम लागत एवं फायदों के बारे में जान पाएंगे।

एयर इंडिया ने हांग कांग की उड़ानें रद्द कीं

नई दिल्ली । विमानन कंपनी एयर इंडिया ने हांग कांग में कोरोना प्रतिबंधों और कम मांग होने की वजह से वहां की उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। विमानन कंपनी ने ट्वीट कर बताया कि 19 और 23 अप्रैल को हांग कांग जाने व आने वाली उड़ानों को रद्द कर दिया गया है। वहीं एक सरकारी अधिकारी का कहना है कि हांग कांग ने एयर इंडिया के तीन यात्रियों के कोविड-19 संक्रमित पाए जाने के बाद उड़ानों को 24 अप्रैल तक प्रतिबंधित कर दिया है। अधिकारी के अनुसार दिल्ली व कोलकाता से आने सभी उड़ानों को 24 अप्रैल तक रोक दिया गया है। इससे इतर हांग कांग एयरपोर्ट पर उतरने वाले हर अतंराष्ट्रीय यात्री को कोविड-19 टेस्ट करवाना अनिवार्य है। हांग कांग सरकार के आदेश के अनुसार भारत से उन लोगों को आने की अनुमति है जिन्होंने अधिकतम 48 घंटे पहले कोविड-19 टेस्ट करवाया हो और उनकी रिपोर्ट नेगेटिव आई हो। गौरतलब है कि अंतर्राष्ट्रीय हब के रूप में खुद को स्थापित करने वाले हांग कांग ने 2020 से ही अपनी सीमाओं को बंद कर रखा है। वहां केवल कुछ चुनिंदा उड़ानों को जाने की अनुमति है और यात्रियों की संख्या की भी नाममात्र है। इससे पहले हांग कांग ने ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, फ्रांस, भारत, नेपाल, पाकिस्तान, फिलिपीन्स, ब्रिटेन और यूएस से आने वाली उड़ानों से प्रतिबंध हटाने की योजना बनाई थी। यह आदेश अगले महीने से लागू होने वाला था। हालांकि हांग कांग ने रेस्टोरेंट्स में डाइन इन की सुविधा शुरू कर दी हैं । नए आदेश के अनुसार एक टेबल पर चार लोग ही बैठ सकते हैं और डाइन इन रात 10 बजे तक खुला रहेगा।

शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 1,172 , निफ्टी 302 अंक नीचे आया

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार में सोमवार को सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन भारी गिरावट रही। घरेलू बाजार में यह गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही इन्फोसिस, एचडीएफसी लि. और एचडीएफसी बैंक के शेयरों के नीचे आने से आई है। यह लगातार चौथा कारोबारी सत्र है, जब बाजार गिरा है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,172.19 अंक करीब 2.01 फीसदी नीचे आकर 57,166.74 अंक पर बंद हुआ जबकि कारोबार के दौरान एक समय यह 1,496.54 अंक तकरीबन 2.56 फीसदी तक गिर गया था। वहीं दूसरी ओर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 302 अंक तकरीबन 1.73 फीसदी की गिरावट के साथ ही 17,173.65 अंक पर बंद हुआ। इन्फोसिस, एचडीएफसी लि., एचडीएफसी बैंक, टेक महिंद्रा, विप्रो और टीसीएस के शेयर गिरे हैं। वही एनटीपीसी, टाटा स्टील, मारुति, टाइटन, नेस्ले और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर लाभ में रहे। इन्फोसिस की चौथी तिमाही के परिणाम के बाद कंपनी का शेयर 7.14 फीसदी नीचे आया जिससे बाजार

दबाव में आ गया क्यों। कंपनी का वित्तीय परिणाम बाजार की उम्मीद के अनुरूप नहीं रहा। एचडीएफसी बैंक भी 4.53 फीसदी लुढ़ककर 1,398.50 रुपये पर बंद हुआ।

मार्च महीने में थोक महंगाई बढ़कर 14.55 फीसदी हुई

नई दिल्ली ।

खाने-पीने के सामान, ईंधन और बिजली के दाम में इजाफा होने से थोक महंगाई मार्च में लगातार 12वे महीने बढ़ गई है। मार्च महीने में थोक महंगाई फरवरी महीने की 13.11 फीसदी से बढ़कर 14.55 फीसदी पर आ गई है। बता दें कि थोक महंगाई दर अनुमान से भी ज्यादा रही है। महीने दर महीने आधार पर मार्च महीने में खाने-पीने की चीजों की थोक महंगाई दर 8.47 फीसदी से बढ़कर 8.71 फीसदी पर आ गई है। वहीं प्राइमरी आर्टिकल्स की थोक महंगाई दर फरवरी 13.39 फीसदी से बढ़कर 15.54 फीसदी पर आ गई है। जबकि ईंधन और बिजली की थोक महंगाई दर फरवरी के 31.50 फीसदी से बढ़कर 34.52 फीसदी पर आ गई है। मार्च महीने में बनी बनाई वस्तुओं (मैन्यूफैक्चरर्ड प्रोडक्ट्स) की थोक महंगाई दर फरवरी के 9.84 फीसदी से बढ़कर 10.71 फीसदी पर आ गई है। वहीं आलू की थोक महंगाई दर फरवरी के 14.78 फीसदी से बढ़कर 24.62 फीसदी पर रही है। खाने-पीने के सामान से लेकर कपड़े और जूते तक महंगे होने से महंगाई 17 महीने के पीक पर पहुंच गई हैं।

चीन की आर्थिक वृद्धि दर जनवरी-मार्च में 4.8 फीसदी बढ़ी

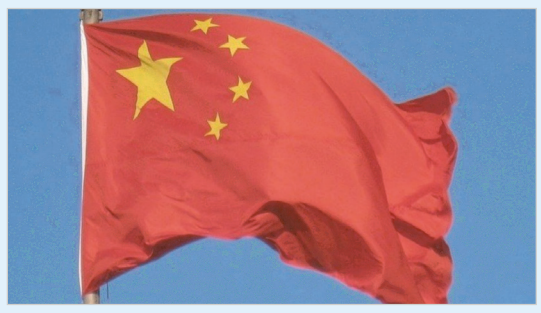

बीजिंग । चीन की आर्थिक वृद्धि दर वर्ष 2022 की पहली तिमाही में 4.8 प्रतिशत रही। कोरोना वायरस महामारी के चलते शंघाई सहित प्रमुख औद्योगिक शहरों में लॉकडाउन के चलते वृद्धि आंकड़ों में कमजोरी देखी गई। चीन की सरकार ने चालू वर्ष के दौरान 5.5 प्रतिशत वृद्धि का लक्ष्य तय किया है। चीन के राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो (एनबीएस) के आंकड़ों के मुताबिक देश के सकल घरेलू उत्पाद में जनवरी से मार्च के दौरान सालाना आधार पर 4.8 फीसदी की वृद्धि हुई, जो इससे पिछली तिमाही में चार फीसदी थी। एनबीएस के एक प्रवक्ता ने कहा कि चीन ने लगातार सुधार के साथ स्थिर प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि इस साल की शुरुआत में कुछ अप्रत्याशित चुनौतियों का सामना किया, जिसमें अस्थिर वैश्विक स्थिति और कोविड-19 महामारी शामिल है। अर्थव्यवस्था में कुछ दबाव देखने को मिल रहा है और प्रमुख संकेतकों में धीमी वृद्धि देखी गई है। उन्होंने कहा कि लंबी अवधि के लिए आर्थिक बुनियादी मजबूत हैं और आर्थिक सुधार की गति नहीं बदली है।

इंफोसिस के शेयर 6.89 फीसदी टूटे, निवेशकों के 40,000 करोड़ डूबे

नई दिल्ली ।

आईटी कंपनी इंफोसिस के निवेशकों को जोरदार झटका लगा है। इंफोसिस के शेयरों में सोमवार को शुरुआती कारोबार में तेज गिरावट आई है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में इंफोसिस के शेयर 6.89 फीसदी की गिरावट के साथ 1628.10 रुपए के स्तर पर ट्रेड कर रहे हैं। कंपनी के शेयरों में बिकवाली का दबाव देखने को मिल रहा है। इंफोसिस के शेयरों में यह गिरावट पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाही के नतीजे उम्मीद से कमतर रहने के बाद आई है। इंफोसिस के शेयरों में 2 साल से ज्यादा के समय में यह सबसे तेज गिरावट है। शेयरों में तेज गिरावट के बाद बीएसई में इंफोसिस का बाजार पूंजीकरण घटकर 6,92,281 करोड़ रुपए रह गया है। शुरुआती ट्रेड में ही निवेशकों को 40,000 करोड़ रुपए से ज्यादा का नुकसान हुआ है। निफ्टी आईटी इंडेक्स में सबसे ज्यादा गिरावट आई है। इंडेक्स में करीब 4 फीसदी की गिरावट है। पिछले वित्त वर्ष की जनवरी-मार्च तिमाही में इंफोसिस का मुनाफा 12 फीसदी बढ़कर

5,686 करोड़ रुपए रहा था, जो कि एक साल पहले की समान अवधि में 5,076 करोड़ रुपए था। वहीं कंपनी का रेवेन्यू करीब 23 फीसदी बढ़कर 32,276 करोड़ रुपए रहा था, जो कि एक साल पहले की समान अवधि में 26,311 करोड़ रुपए था। पिछले पांच दिन में इंफोसिस के शेयरों में 10 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई है। वहीं इस साल अब तक कंपनी के शेयरों ने 14.33 फीसदी का निगेटिव रिटर्न दिया है। कंपनी के शेयरों ने पिछले एक साल में करीब 20 फीसदी का रिटर्न दिया है। वहीं, शुरुआत से लेकर अब तक इंफोसिस के शेयरों में करीब 14,000 फीसदी का रिटर्न निवेशकों को दिया है।

पहले कोरोना और अब लगातार बढ़ती महंगाई से लोग परेशान

- नींबू, गैस सिलिंडर, भोजन की थाली और पेट्रोल-डीजल सबकी कीमतों में आई तेजी

मुंबई ।

कोरोना महामारी से जैसे तैसे थोड़ी राहत मिली तो अब लोग लगातार बढ़ती जा रही महंगाई से त्रस्त हो रही है। इन दिनों नींबू के भाव में अे धिक तेजी देखने को ` मिल रही है। वैसे, नींबू के अलावा भी आम आदमी की एक पौष्टिक थाली में ऐसी कई चीजें हैं, जिनके दो सालों में दाम बढ़े हैं। रूस और यूक्रेन से मिलकर दुनिया में 29 प्रतिशत गेहूं, 19 प्रतिशत मक्का और 80 प्रतिशत सनफ्लॉवर ऑयल निर्यात करते हैं। युद्ध के कारण सप्लाई प्रभावित हुई है। पौष्टिक थाली को महंगा करने का एक प्रमुख घटक है रसोई गैस जिसके दाम पिछले दो सालों में करीब 35 फीसदी बढ़े हैं। सरकार का कहना है कि वै श्विक बाजार में कीमतें बढ़ने का असर भारत में भी हुआ है। भारत में एलपीजी गैस के दाम इंटरनेशनल पेट्रोलियम दाम के हिसाब से तय होते हैं। सउदी आरामको ने मार्च 2022 में प्रति मेट्रिक टन एलपीजी के दाम 769.1 डॉलर तय किए थे। ये दाम नवंबर 2020 के (376.3 डॉलर) मुकाबले 104 प्रतिशत अधिक हैं। पौष्टिक थाली की कीमत बढ़ाने के लिए घरेलू गैस जितने ही जिम्मेदार पेट्रोल या डीजल भी है क्योंकि जहां से उत्पादन होता है वहां से आपके घर तक माल पहुंचने के दौरान कई बार ट्रांसपोर्ट होता है।

नवंबर 2020 से तुलना करें तो मार्च 2022 में खानपान की महंगाई में 7.68 फीसद खाने के तेल और वसा युक्त खाद्य पदार्थों में 18.79 फीसद और सब्जियों के दामों में 11.64 फीसद तक महंगाई बढ़ी है। मार्च 2021 से मार्च 2022 में एक ही साल में कंज्यूमर फूड प्राइस में जोरदार वृद्धि हुई है। ये आंकड़े नेशनल स्टैटिस्टिकल ऑफिस द्वारा 12 अप्रैल, 2022 को रिलीज किया गया है। उपभोक्ता खाद्य मूल्य सूचकांक यानी कंज्यूमर फूड प्राइस इंडेक्स पर आधारित इन्फ्लेशन मार्च 2021 के 4.87 प्रतिशत से बढ़कर मार्च 2022 में 7.68 प्रतिशत हो गया। पिछले एक साल में खाने के तेल की कीमतों में 18.79 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यूक्रेन-रशिया युद्ध के दौरान

सनफ्लॉवर ऑयल की कीमतों में वृद्धि हुई है। भारत 1,27,000 टन सनफ्लॉवर ऑयल यूक्रेन से, 73,500 टन रूस से और 1,900 टन अर्जेनटिना से आयात करता है। बताया जा रहा है कि युद्ध छिड़ने के बाद यूक्रेन से सप्लाई रुक गई है, जिसका असर सनफ्लॉवर ऑयल की कीमतों में आने वाला है।

एसबीआई के योनो एप से शापिंग पर पाएं 70 फीसदी तक छूट

नई दिल्ली ।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) अपने ग्राहकों के लिए धमाकेदार ऑफर लाया है। अगर आप एसबीआई के बैंकिंग ऐप योनो के जरिये ऑर्डर करते हैं तो जोरदार डिस्काउंट दिया जाएगा। एसबीआई ने अपने ट्विटर हैंडल पर लिखा है कि टॉप फैशन ब्रांड पर आपको कई छूट वाली डील मिलेंगी। अगर आप योनो ऐप के जरिये ऑर्डर करते हैं तो ब्रांड के हिसाब से छूट दी जाएगी। इस पर ग्राहक को अधिकतम 70 फीसदी तक का डिस्काउंट मिल रहा है। इसके लिए ग्राहक को सबसे पहले एसबीआई की वेबसाइट पर जाकर उसका ऐप योनो डाउनलोड करना होगा।

गूगल प्ले स्टोर से भी इसे डाउनलोड कर सकते हैं। सके बाद अपने मोबाइल नंबर के जरिये रजिस्ट्रेशन करने के बाद एप से ही आपको टाइटन, लाइफ स्टाइल, ट्रेंड्स, आजियो, बीबा जैसे ब्रांड्स से शॉपिंग करने का विकल्प मिलेगा। एबसीआई ने अपने ट्वीट में लिखा है कि जो ग्राहक योनो ऐप के जरिये विभिन्न ब्रांड्स की शॉपिंग करेंगे, उन्हें ऐप पर मिलने वाली सभी छूट के साथ अलग से भी बचत का मौका दिया जाएगा। ऐसे ग्राहक जो एसबीआई

के डेबिट अथवा क्रेडिट कार्ड के जरिये ऐप पर शॉपिंग के लिए भुगतान करेंगे, उन्हें अलग से डिस्काउंट और रिवार्ड भी दिया जाएगा। बैंक के इस ऑफर का लाभ उसके करोड़ों उपभोक्ताओं को मिल सकता है।

एसबीआई अपने योनो ऐप के जरिये ग्राहकों को समय-समय पर कई ऑफर देता है। एप पर लोन के लिए आवेदन करने वालों को ब्याज दरों में छूट दी जाती है, जबकि यहां प्री-अप्रूव्ड लोन की सुविधा भी मिलती है।

म्यूचुअल फंड कंपनियों ने वित्त वर्ष 2021-22 में 3.17 करोड़ नए खाते जोड़े

नई दिल्ली ।

म्यूचुअल फंड के बारे में बढ़ती जागरूकता, डिजिटल लेनदेन में सरलता और शेयर बाजारों में तेजी की वजह से परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियां (एएमसी) ने वित्त वर्ष 2021-22 में 3.17 करोड़ निवेशक खाते जोड़े। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) से प्राप्त आंकड़ों के मुताबिक वित्त वर्ष 2021-22 में म्यूचुअल फंड खाता खोलने वाले ` निवेशक एक साल पहले की तुलना में बढ़ गई। वर्ष 2020-21 में 81 लाख नए खाते जुड़े थे। महिलाओं के लिए वित्तीय मंच मुहैया कराने वाली कंपनी एलएक्सएमई की संस्थापक प्रीत राठी गुप्ता ने कहा कि चालू वित्त वर्ष में भी नए निवेशकों के म्यूचुअल फंड योजनाओं का हिस्सा बनने की तीव्र दर जारी रहने की संभावना है। उन्होंने कहा कि इससे सावधि जमाओं एवं बचत खातों से इतर निवेश के साधन के तौर पर म्यूचुअल फंड की तरफ रुझान बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि म्यूचुअल फंड उद्योग पर बाजार के हालात, भू-राजनीतिक परिदृश्य, बढ़ती महंगाई और लोगों के बीच बढ़ती जागरूकता का असर देखा जा सकता है। हालांकि जानकारों का कहना है` कि अगर खुदरा निवेशक ब्याज दरों में बदलाव होने पर बाजार की उठापटक से प्रभावित होते हैं, तो म्यूचुअल फंड के नए खातों की संख्या में थोड़ी गिरावट आ सकती है।

एम्फी के आंकड़ों के मुताबिक, मार्च 2022 में 43 म्यूचुअल फंड कंपनियों के खातों की संख्या बढ़कर 12.95 करोड़ पर पहुंच गई जबकि मार्च, 2021 में यह संख्या 9.78 करोड़ थी। इस तरह एक वित्त वर्ष में ही 3.17 करोड़ नए खाते खुले हैं।

एसबीआई ने एससीएलआर बढ़ाई, लोन होगा महंगा

मुंबई ।

देश के प्रमुख बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने सोमवार को मार्जिनल कॉस्ट ऑफ लेंडिंग रेट (एमसीएलआर) में 0.10 फीसदी बढ़ा दी है। एमसीएलआर बढ़ने से एसबीआई बैंक के होम-ऑटो और पर्सनल लोन महंगा हो जाएगा। बैंक की ऑफिशियल वेबसाइट के मुताबिक नई दरें 15 अप्रैल से लागू हो गई हैं। एसबीआई की वेबसाइट के मुताबिक ग्राहकों के लिए ओवरनाइट से लेकर तीन महीने तक वाले एमसीएलआर के लिए 6.65 फीसदी के बजाए 6.75 फीसदी रेट होगा। वहीं 6 महीने के लिए 6.95 फीसदी के बजाए 7.05 फीसदी। एक साल के लिए एमसीएलआर 7.10 फीसदी होगा। दो और तीन साल के लिए इस वृद्धि के साथ एमसीएलआर क्रमशः 7.30 और 7.40 फीसदी होगा। इसके पहले, बैंक ऑफ बड़ौदा ने भी एमसीएलआर में 5 बेसिस प्वाइंट्स की बढ़ोतरी की थी। 12 अप्रैल, 2022 से बेंचमार्क एक साल की अवधि एमएलसीआर अब 7.35 फीसदी है। एमसीएलआर बढ़ने से आम आदमी को नुकसान होता है। उसका मौजूदा लोन महंगा हो जाता है और पहले की तुलना में ज्यादा ईएमआई देनी पड़ती है। जब आप किसी बैंक से लोन लेते हैं तो बैंक द्वारा लिए जाने वाले ब्याज की न्यूनतम दर को बेस रेट कहा जाता है। बेस रेट से कम दर पर बैंक किसी को लोन नहीं दे सकता।

इसी बेस रेट की जगह पर अब बैंक एमसीएलआर का इस्तेमाल कर रहे हैं। इसकी गणना धनराशि की सीमांत लागत, आवधिक प्रीमियम, संचालन खर्च और नकदी भंडार अनुपात को बनाए रखने की लागत के आधार पर की जाती है।

स्पाइसजेट की नई घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानें 26 अप्रैल से

मुंबई ।

विमानन कंपनी स्पाइसजेट 26 अप्रैल से अपने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर अतिरिक्त नॉन-स्टॉप उड़ानें शुरू करेगी। विमानन कंपनी ने सोमवार को कहा कि वह नई एवं उभरती मांगों को पूरा करने के लिए नई उड़ानें शुरू करेगी। शुरू की जा रही इन उड़ानों में अहमदाबाद को मस्कट से, मुंबई को ढाका से, कोझीकोड को जेद्दा और रियाद से तथा मुंबई को सऊदी अरब में रियाद और जेद्दा से जोड़ने वाली सेवाएं शामिल हैं। स्पाइसजेट ने बताया कि घरेलू नेटवर्क में अहमदाबाद से गोवा, बागडोगरा और शिरडी के लिए नई उड़ानें शुरू की जाएंगी। इसके साथ ही तिरुपति और गुवाहाटी को मुंबई से जोड़ा जाएगा। कंपनी ने कहा कि दिल्ली-जबलपुर, दिल्ली-लेह, अहमदाबाद-देहरादून, हैदराबाद-शिरडी, मुंबई-गोवा और मुंबई-श्रीनगर रूट पर उड़ानों में बढ़ोतरी की जा रही है। सभी नई और अतिरिक्त उड़ानों के लिए बुकिंग पहले ही शुरू हो चुकी है।

रायुडू 4,000 रन बनाने वाले दसवें भारतीय बल्लेबाज बने

पुणे । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बल्लेबाज अंबाती रायुडू ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ अपनी 46 रनों की पारी के साथ ही आईपीएल में 4,000 रन पूरे किये। यह उपलब्धि हासिल करने वाले रायुडू 10वें भारतीय बल्लेबाज हैं। रायुडू ने अब तक 55 एकदिवसीय मैच खेले हैं और उनका औसत 47.05 का है। उन्हें साल 2018 में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) द्वारा चुना गया था और उन्हें एक बार फिर आईपीएल 2022 से पहले टीम द्वारा चुना गया था। उन्होंने सुपर किंग्स की ओर से 127.88 के स्ट्राइक रेट से 1,628 रन बनाए हैं। रायुडू ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 31 गेंदों में ही 46 रन बना दिये। वहीं सुरेश रैना (5529) और पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ही चार हजार के आंकड़े को पार करने वाले सीएसके के अन्य खिलाड़ी हैं। इस उपलब्धि को हासिल करने वाले दो अन्य सुपर किंग्स के खिलाड़ी हैं।

आईपीएल में आज आरसीबी और सुपर जाइंट्स होगी आमने-सामने

शाम 7.30 बजे शुरू होगा मुकाबला

मुंबई ।

आईपीएल में मंगलवार को नई टीम लखनऊ सुपर जाइंट्स का मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) से होगा। दोनो ही टीमें अभी अंक तालिका में आठ-आठ अंक लेकर बराबरी पर हैं, ऐसे में दोनो ही इस मैच में जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। कप्तान लोकेश् राहुल जहां लखनऊ की कप्तानी कर रहे हैं वहीं फाफ डुप्लेसी के हाथें में आरसीबी की कमान है। लखनऊ के पास राहुल के अलावा क्विंटोन डिकॉक, मनीष पांडे जैसे बल्लेबाज हैं जबकि आरसीबी के पास ग्लेन मैक्सवेल और दिनेश कार्तिक जैसे बल्लेबाजी हैं। कार्तिक ने पिछले मैच में शानदार बल्लेबाजी कर अपनी टीम को जीत दिलायी थी ऐसे में उनका मनोबल बढ़ा हुआ है। आरसीबी ने पिछले मैच में दिल्ली कैपिटल्स को हराया था जबकि लखनऊ ने मुम्बई इंडियंस को। ऐसे में दोनो ही टीमें बेहद संतुलित हैं।

लखनऊ के खिलाफ आरसीबी को अपने शीर्षक्रम की बल्लेबाजी को सही करना होगा। पहले मैच के बाद से ही कप्तान फाफ डु प्लेसी रन नहीं बना पाये हैं। इसके अलावा सलामी बल्लेबाज अनुज रावत भी अब तक टीम को अच्छी शुरुआत नहीं दे पाये हैं। टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली भी पहले वाली लय में नहीं दिखे हैं हालांकि मैक्सवेल के आने से बल्लेबाजी बेहतर हुई है।

इस सत्र में विकेटकीपर बल्लेबाज कार्तिक के अच्छे प्रदर्शन से आरसीबी की बल्लेबाजी मजबूत हुई है। इसके अलावा पिछले मैच में युवा शाहबाज अहमद ने भी अच्छी बल्लेबाजी की थी।

वहीं दूसरी ओर गेंदबाजी की बात करें तो आरसीबी के जोश हेजलवुड ने दिल्ली के खिलाफ शानदार गेंदबाजी की थी और वह इस सिलसिले को जारी रखना चाहेंगे। इसके अलावा श्रीलंकाई लेग स्पिनर वानिंदु हसरंगा और हर्षल पटेल भी विरोधी टीम के बल्लेबाजों पर अंकुश लगाएंगे। लखनऊ के कप्तान राहुल ने अब तक 235 रन बना चुके हैं और राजस्थान रॉयल्स के जोस बटलर के 272 रनों वह कुछ ही पीछे हैं , ऐसे में उनका लक्ष्य अधिक से अधिक रन बनाकर बटलर को पीछे छोड़ना होगा। गेंदबाजी की बात करें तो लखनऊ के पास तेज गेंदबाज आवेश खान के अलावा रवि बिश्नोई जैसे बेहतरीन स्पिनर है। ऑलरांडर के तौर पर टीम के पास जेसन होल्डर हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं:

लखनऊ सुपरजाइंट्स : लोकेश राहुल (कप्तान), क्विंटन डिकॉक, मनीष पांडे, दीपक हुड्डा, कृणाल पंड्या, इविन लुईस, मार्कस स्टोइनिस, जेसन होल्डर, एंड्रयू टाइ, काइल मायर्स, आवेश खान, दुष्मंता चमीरा, रवि बिश्नोई, आयुष बडोनी, मनन वोहरा, कृष्णप्पा गौतम, शाहबाज नदीम, अंकित राजपूत, मयंक यादव, मोहसिन खान और करण शर्मा।

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर : विराट कोहली, ग्लेन मैक्सवेल, मोहम्मद सिराज, फाफ डुप्लेसी, हर्षल पटेल, वानिंदु हसरंगा, दिनेश कार्तिक, जोश हेजलवुड, शाहबाज अहमद, अनुज रावत, आकाश दीप, महिपाल लोमरोर, फिन एलन, शेरफेन रदरफोर्ड, जेसन बेहरेनडॉर्फ, सुयश प्रभुदेसाई, चामा मिलिंद, अनीश्वर गौतम, कर्ण शर्मा, डेविड विली, रजत पाटीदार, सिद्धार्थ कौल।

स्वियातेक की जीत के साथ ही पोलैंड पहली बार बिली जीन किंग के फाइनल में पहुंचा

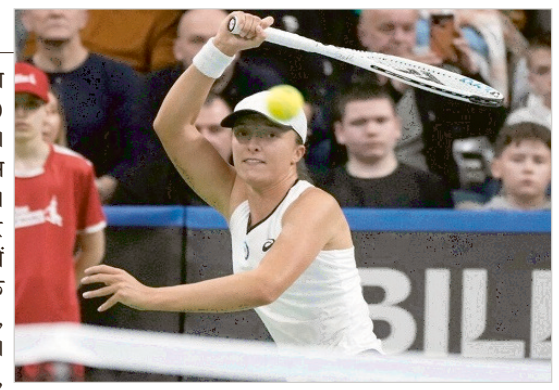

लंदन ।

पोलैंड की महिला खिलाड़ी इगा स्वियातेक बिली जीन किंग (बीजेके) टेनिस कप के फाइनल में पहुंच गयी है। स्वियातेक ने पहली बार पोलैंड को इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचाया है। पोलैंड के अलावा इटली और कजाखस्तान भी पहली बार फाइनल में पहुंची है। अन्य विजेताओं में 2011 के बाद छह बार का विजेता चेक गणराज्य, स्पेन, कनाडा और अमरीका शामिल हैं। फाइनल्स नवंबर में खेले जाने हैं, जिसके लिए स्थल की घोषणा अभी तक नहीं हुई है। स्वियातेक ने पहले उलट एकल में रोमानिया की आंद्रिया प्रिसाकारियू को 6-0, 6-0 हराकर पालैंड को अपराजेय बढ़त दिलायी। स्वियातेक की यह लगातार 19वें मैच में जीत थी जो उसने एश्ले बार्टी के संन्यास के बाद विश्व की नंबर एक खिलाड़ी बनने के बाद दर्ज की है। पोलैंड ने अंत में 4-0 से जीत दर्ज की। वहीं एक अन्य मैच में कैमिला जियार्जी ने इटली की ओर से एलघेरो में फ्रांस के खिलाफ तीसरा निर्णायक अंक हासिल किया। जियार्जी ने हारमोनी टैन को 6-2, 6-0 से हराया। वहीं फ्रांस को 2019 फाइनल के बाद लगातार तीसरे मुकाबले में हार मिली। कजाखस्तान ने नूर सुल्तान में जर्मनी को हराकर सबको हैरान कर दिया। उसकी ओर से एलीना रिबाकिना ने एंजलिक कर्बर को 4-6, 6-3, 7-5 से हराया जिससे कजाखस्तान को 3-1 से जीत मिली।

वेदांत माधवन ने डेनिश ओपन में स्वर्ण जीता

नई दिल्ली । भारत के उभरते हुए तैराक वेदांत माधवन ने कोपेनहेगन में हुए डेनिश ओपन तैराकी की पुरूषों की 800 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता है। बॉलीवुड अभिनेता आर माधवन के पुत्र वेदांत ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 8:17.28 के समय के साथ जीत दर्ज की है। उन्होंने स्थानीय तैराक अलेक्जेंडर एल ब्योर्न को 0.10 सेकंड से हराया। वेदांत का प्रदर्शन टूर्नामेंट हर टूर्नामेंट के साथ ही बेहतर होता जा रहा है। इससे पहले उन्होंने 1500 मीटर फ्रीस्टाइल में रजत पदक जीता और 200 मीटर फ्रीस्टाइल में अपनी टाइमिंग बेहतर की थी। वहीं भारत के ही अनुभवी तैराक साजन प्रकाश ने पुरूषों की 100 मीटर बटरफ्लाय ए के फाइनल में 54.24 सेकंड के साथ ही पांचवा स्थान हासिल किया। वहीं तानिश जॉर्ज मैथ्यू सी फाइनल में 56.44 के साथ शीर्ष रहे। हीट्स के शीर्ष आठ तैराक ए फाइनल के लिए क्वालीफाई करते हैं। अगले आठ बी में और उसके अगले आठ सी में उतरते हैं। वहीं महिला वर्ग में शक्ति बालाकृष्णन 200 मीटर फ्रीस्टाइल में 42 तैराकों में 34वें स्थान पर रहे।

10 अंक हासिल कर आईपीएल में शीर्ष पर पहुंची गुजरात

औरेंज कैप के लिए बटलर , पर्पल कैप के लिए चहल सबसे आगे

मुम्बई ।

आईपीएल के 15 वें सत्र में नई टीम गुजरात टाइटंस शीर्ष पर पहुंच गयी है। गुजरात ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को हराकर को 3 विकेट से हराकर टेबल में अपनी स्थिति और भी मजबूत कर 10 अंक हासिल करने के साथ ही नंबर एक स्थान पर कब्जा जमाया। उसने अब तक 6 मैचों में से 5 में जीत हासिल की है। वहीं एक अन्य मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद ने पंजाब किंग्स को हराकर शीर्ष 4 में स्थान बनाया।

आईपीएल में अभी हैदराबाद, लखनऊ सुपर जायंट्स और आरसीबी तीनों के ही 88 अंक है जबकि पांच बार की चैम्पयन मुंबई इंडियंस इस बार बेहद खराब प्रदर्शन के साथ ही सबसे पीछे 10वें स्थान पर है। मुंबई को सभी 6 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। वहीं चार बार की चैम्पियन सीएसके 9वें स्थान पर है। चेन्नई को 6 में से 5 मैच में हार का सामना करना पड़ा है। वहीं सबसे ज्यादा रन बनाने मामले में राजस्थान रॉयल्स के जोस बटलर औरेंज कैप की दौड़ में शीर्ष पर हैं जबकि सबसे ज्यादा विकेट के लिए पर्पल कैप भी राजस्थान के ही स्पिनर युजवेंद्र चहल के कब्जे में है। बटलर ने 5 मैचों में सबसे ज्यादा 272 रन बनाये हैं जबकि लखनऊ सुपरजाइंटस के कप्तान लोकेश राहुल 235 अंकों के साथ दूसरे नंबर पर है। गुजरात टाइटंस के कप्तान हार्दिक पंड्या 228 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर फिसल गए हैं। गेंदबाजी की बात करें तो चहल के नाम 5 मैचों में 12 विकेट है और वह पहले नंबर पर हैं। वहीं टी नटराजन दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। उनके भी चहल के बराबर 12 विकेट हैं।

संक्षिप्त समाचार

विदेशी खिलाड़ी के संक्रमित होने के कारण कैपिटल्स की पुणे यात्रा स्थगित

मुंबई । दिल्ली कैपिटल्स टीम के एक विदेशी खिलाड़ी के कोरोना वायरस संक्रमित पाये जाने के बाद टीम को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अपने अगले मैच के लिए पुणे की यात्रा स्थगित करनी पड़ी है। कैपिटल्स टीम को बुधवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच के लिए पुणे रवाना होना था पर एक ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी में संक्रमण से यात्रा टल गयी। इसके बाद रैपिड एंटीजन जांच का परिणाम भी पॉजिटिव निकला। इसको लेकर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा, '' दिल्ली कैपिटल्स को आज पुणे की यात्रा करनी थी पर दल के सभी सदस्यों को अपने-अपने कमरे में ही रहने के लिए कहा गया है। इसके साथ ही यह पता लगाने के लिए आरटी पीसीआर किया जा रहा है कि दल में कोविड-19 का कोई प्रकोप तो नहीं है। इससे पहले टीम के कोच पैट्रिक फरहार्ट पॉजिटिव पाये गये थे।।'' वहीं सहयोगी स्टाफ के एक अन्य सदस्य में भी संक्रमण के लक्षण हैं पर उसे आरटी-पीसीआर जांच के परिणामों का इंतजार है। सूत्र ने कहा, '' सभी टीमें पुणे के कोनराड होटल में ठहरी हुई हैं, जहां बीसीसीआई ने बायो-बबल (जैव सुरक्षा घेरा) बनाया है। दिल्ली कैपिटल्स को यात्रा करनी थी पर अब इसमें देरी हो गई है। जाहिर है कि जांच में जिनके परिणाम नेगेटिव होंगे वे कल आगे की यात्रा पर जाएंगे।'' टीम फिजियो फरहार्ट पिछले सप्ताह जांच में पॉजिटिव आये थे। उसके बाद से ही टीम के सभी सदस्यों को क्वारंनटाइन होना पड़ा था।

कोच के कारण आरसीबी से हाथ नहीं मिला पाये दिल्ली कैपिटल्स के खिलाड़ी

मुम्बई । फिजियो पैट्रिक फरहार्ट के कोरोना संक्रमित होने के कारण दिल्ली कैपिटल्स के खिलाड़ियों को रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ हुए मैच के दौरान किसी भी खिलाड़ी से हाथ नहीं मिलाने को कहा गया था। यह अनुरोध संक्रमण के डर को देखते हुए किया गया। मैच से पहले ही बीसीसीआई ने कप्तान ऋषभ पंत की दिल्ली से कहा था कि वह आरसीबी के किसी भी खिलाड़ी से हाथ न मिलाये। ये अनुरोध खिलाड़ियों की सेहत की सुरक्षा को देखते हुए किया गया। बीसीसीआई ने इस प्रकार का संदेश इसलिए दिया क्योंकि दिल्ली की टीम में कोरोना का मामला आया था। दरअसल दिल्ली के फिजियो फरहार्ट कोविड 19 पॉजीटिव पाए गए थे जिससे पूरी टीम को के वारंटीन होना पड़ा था हालांकि इस दौरान किसी भी खिलाड़ी का आरटी पीसीआर टेस्ट पॉजीटिव नहीं आया, मगर बोर्ड ने एहतियात के तौर पर निर्देश जारी कर दिये। इस बार संक्रमण का खतरा बेहद कम है पर इसके बाद भी बोर्ड कोई खतरा मौल नहीं लेना चाहता है।

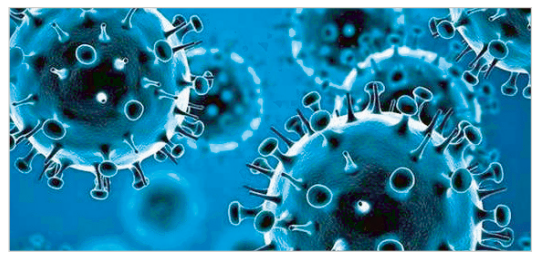

मैच जिताऊ पारी के बाद मिलर बोले- आईपीएल में उतने मौके नहीं मिले जितने मैं चाहता था

पुणे।

इंडियन प्रीमियर लीग की अपनी पिछली दो फ्रेंचाइजी टीमों की अंतिम एकादश में जगह बनाने के लिए संघर्ष करने वाले डेविड मिलर ने गुजरात टाइटंस ये इस मामले में मिल रहे समर्थन से अभिभूत है। उन्होंने रविवार को चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ मुश्किल परिस्थितियों में 51 गेंद में 94 रन की पारी खेलकर टीम को शानदार जीत दिलाई। दक्षिण अफ्रीका के इस आक्रामक बल्लेबाज ने लंबे समय के बाद आईपीएल में यादगार पारी खेली। मैच के बाद मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा, 'पिछले तीन-चार साल से मैं अच्छा क्रिकेट खेल रहा हूं और सकारात्मक महसूस कर रहा हूं। मैं दक्षिण अफ्रीका और विदेशों में लगातार रन बना रहा हूं लेकिन पिछले चार-पांच वर्षों में आईपीएल में उतने मौके नहीं मिले जितने मैं चाहता था। उन्होंने कहा, 'इस टूर्नामेंट का प्रारूप ऐसा है कि अंतिम एकादश में सिर्फ चार विदेशी खिलाड़ी हो सकते है और उन चार के अलावा दूसरे विदेशी खिलाड़ियों को बाहर बैठना होता है। किंग्स इलेवन (पंजाब किंग्स) और राजस्थान की टीमों के साथ मैं अंतिम एकादश से अंदर-बाहर होता रहता था। मिलर ने कहा, 'मैंने उन टीमों के लिए भी अच्छा किया लेकिन मुझे लगा कि मैं आगे नहीं बढ़ पा रहा हूं। गुजरात टाइटंस का हिस्सा बनना उत्साहजनक रहा है और मुझे पता है कि वे मेरा शत प्रतिशत समर्थन कर रहे है। यहां वास्तव में अच्छा माहौल है, हम एक-दूसरे की सफलता का लुत्फ उठाते है, जिससे अच्छा प्रदर्शन करने में काफी मदद मिलती है। लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि हर मैच को खेलना अच्छा है। गुजरात की टीम 87 रन पर पांच विकेट गंवा कर संघर्ष कर रही थी लेकिन मिलर ने कार्यवाहक कप्तान राशिद खान के साथ छठे विकेट के लिए 70 रन की साझेदारी कर मैच का रुख मोड़ दिया। उन्होंने कहा, 'हम थोडे मुश्किल में थे लेकिन मुझे लगा कि अगर पूरे 20 ओवर बल्लेबाजी करेंगे तो मौका बन सकता है।

टाइटंस से मिली हार पर निराश हैं फ्लेमिंग

पुणे । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने गुजरात टाइटंस से मिली हार पर निराश व्यक्त करते हुए कहा है कि उनकी टीम अंतिम पांच ओवरों का लाभ नहीं उठा पायी। वहीं टाइटंस के डेविड मिलर और राशिद खान ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए अपनी टीम को जीत दिलायी। फ्लेमिंग ने कहा कि मैच में हार के कई कारण रहे पर मुख्य कारण डेविड मिलर और राशिद की बल्लेबाजी रही। इसके अलावा अंतिम पांच ओवर भी अहम रहे। हमारी पारी में उन्होंने अच्छी गेंदबाजी की जबकि हम लाभ नहीं उठा पाये। अंतिम पांच ओवरों की अपनी अच्छी बल्लेबाजी से टाइटंस टीम ने मैच अपनी ओर कर दिया। फ्लेमिंग के अनुसार यह मैच आसान नहीं रहा था। हम खेल में थे और हम बल्ले से नियंत्रण में थे और जिस तरह की हमने शुरुआत की थी, हम वास्तव में अच्छी स्थिति में थे। इसलिए, वहां से मैच हारना बहुत कठिन रहा। विरोधी टीम ने अच्छी तरह से खेलते हुए मैच पर कब्जा कर लिया। सीएसके टीम को अपने स्टार तेज गेंदबाज दीपक चाहर के बिना ही खेलना पड़ रहा है। चाहर चोटिल होने के कारण बाहर हैं, उनकी जगह किसी अन्य गेंदबाज की तलाश जारी है।

पुजारा के शतक से हार से बची ससेक्स

डर्बी । भारत के चेतेश्वर पुजारा और कप्तान टॉम हेन्स के दोहरे शतक की सहायता से इंग्लिश काउंटी टीम ससेक्स डिविजन 2 मुकाबले में हार से बची है। टीम ने फॉलोआन खेलते हुए डर्बीशर को ड्रॉ पर ही रोक दिया। इस सत्र में अपना पहला मैच खेल रहे पुजारा ने नाबाद 201 रन बनाये। वहीं हेन्स ने 243 रन बनाकर तीसरे विकेट के लिए 351 रन की साझेदारी निभाई। इससे ससेक्स ने दूसरी पारी में तीन विकेट पर 513 रन बनाए। पुजारा को दक्षिण अफ्रीका दौरे के बाद भारतीय टेस्ट टीम से बाहर कर दिया गया था , इसके बाद वह काउंटी में चले गये थे क्योंकि उन्हें आईपीएल नीलामी में भी किसी टीम ने नहीं खरीदा था। डर्बीशर ने पहली पारी आठ विकेट पर 505 रन बनाकर घोषित की थी जिसके जवाब में ससेक्स की टीम पहली पारी में 174 रनों पर ही सिमट गयी थी और उसे फॉलोआन खेलना पड़ा था। पुजारा पहली पारी में केवल छह रन बनाकर आउट हुए थे। ससेक्स की टीम अभी काउंटी चैंपियनशिप डिविजन 2 में आठ टीमों में अंतिम स्थान पर चल रही है। उसके दो मैचों में 13 अंक हैं। टीम को अपने पहले मैच में नॉटिंघमशर के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था।

रॉब की इंग्लैंड की पुरुष क्रिकेट टीम का प्रबंध निदेशक नियुक्त

लंदन ।

ब्रॉडकास्टिंग के क्षेत्र में अपने एक सफल करियर के बाद केंट व इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज़ रॉब की को इंग्लैंड की पुरुष क्रिकेट टीम का प्रबंध निदेशक नियुक्त किया गया है। वह तत्काल ही पदभार ग्रहण करेंगे। इसके लिए उन्हें स्काय स्पोर्ट्स के साथ अपने काम से त्यागपत्र देना होगा। अब रॉब इंग्लैंड क्रिकेट टीम की रणनीति और उसके प्रदर्शन के प्रति जवाबदेह होंगे। इसके साथ ही वह मौजूदा अंतरिम मैनेजिंग डायरेक्टर ऐंड्रयू स्ट्रॉस द्वारा शुरू की गई उच्च कोटि के प्रदर्शन की समीक्षा को सुनिश्चित करने में भी अहम भूमिका अदा करेंगे। भले ही रॉब अतीत में किसी प्रशासनिक पद पर नहीं रहे हैं, इसके बावजूद वह इस पद के प्रबल दावेदारों में से एक थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक़ इस रेस से मार्कर्स नॉर्थ के बाहर होने ने रॉब के मार्ग को और प्रशस्त कर दिया। रॉब ने ऐसे वक्त में पदभार संभाला है, जब इंग्लैंड क्रिकेट टीम उधेड़बुन की स्थिति से गुज़र रही है। जो रूट ने हाल ही में इंगलैंड की टेस्ट कप्तानी छोड़ी है। रॉब के सामने सबसे बड़ी चुनौती इंग्लैंड क्रिकेट टीम के नए मुख्य कोच की नियुक्ति है। अपनी नियुक्ति को लेकर रॉब ने कहा कि इस भूमिका का मिलना निश्चित तौर पर मेरे लिए गौरव की बात है। इंग्लैंड पुरुष क्रिकेट टीम के आगामी दौर को स्वर्णिम दौर बनाने के लिए मैं भरपूर प्रयास करूंगा। स्काय के साथ बिताए क्षणों का मैंने बहुत लुत्फ़ उठाया। कभी सोचा नहीं था कि इस अभूतपूर्व अवसर के लिए मुझे स्काय का साथ छोड़ना होगा। मैं व्यक्तिगत तौर पर ब्रायन हेंडरसन और उनकी पूरी टीम के प्रति आभार व्यक्त करना चाहता हूं। रॉब ने इंग्लैंड क्रिकेट टीम के मौजूदा हालात पर अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि भले ही इस समय इंग्लैंड क्रिकेट टीम चुनौतीपूर्ण दौर से गुज़र रही है। लेकिन मेरे लिए याद रखने के लिए यह एक रोचक समय है। मैं इंग्लैंड टीम को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए सबको साथ लाने का प्रयास करूंगा।% रॉब स्ट्रॉस की बागडोर को अपने हाथों में संभालेंगे। ऐशेज में मिली 0-4 की करारी हार के बाद पहले एश्ले जाइल्स की बर्खास्तगी और कैरेबियाई धरती पर मिली एक और हार के बाद रूट के कप्तानी से विदा लेने के बाद रॉब पदभार ग्रहण करने जा रहे हैं। टेस्ट श्रृंखला में इंग्लैंड लगातार ख़राब प्रदर्शन कर रही है।

जडेजा ने खराब गेंदबाजी को हार के लिए जिम्मेदार बताया

पुणे । चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) टीम के कप्तान रविंद्र जडेजा ने आईपीएल में यहां गुजरात टाइटंस के हाथों मिली हार पर निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि हमारे गेंदबाज उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये। इसी कारण हमारी टीम को तीन विकेट से हार झेलनी पड़ी है। जडेजा ने कहा, 'हमने अच्छी शुरुआत की थी। गेंदबाजी इकाई के रूप में पहले छह ओवर काफी अच्छे थे पर इसके बाद मिलर की बल्लेबाजी के दौरान हालात बदल गये। उसने अच्छे क्रिकेट शॉट खेले। जब हम बल्लेबाजी कर रहे थे तो गेंद रुककर आ रही थी जिससे हमें लगा कि 169 रन पर्याप्त होंगे।' उन्होंने कहा, 'लेकिन अंतिम पांच ओवर में हम अपनी योजनाओं के अनुसार बल्लेबाजी नहीं कर पाये। क्रिस जॉर्डन अनुभवी गेंदबाज है इसलिए हमने 20वें ओवर में गेंद सौंपी ।' सुपरकिंग्स के मिले 170 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए टाइटंस ने 16 रन रनों पर ही तीन विकेट खो दिए थे पर इसके बाद मिलर ने नाबाद 94 रन की पारी खेलने के अलावा कप्तान राशिद खान के साथ छठे विकेट के लिए 70 रन की तूफानी साझेदारी की सहायता से 170 रन बनाकर जीत दर्ज की। सीएसके की ओर से ड्वेन ब्रावो ने 23 रन देकर तीन जबकि आफ स्पिनर महेश तीक्षणा ने 24 रन देकर दो विकेट लिए। लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। जॉर्डन इस मैच में नाकाम रहे और उन्होंने 3.5 ओवर में ही 58 रन दे दिये।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हल्के में ना लें छोटे बच्चों में सोशल एंग्जाइटी

बड़ा बच्चा इस तरह की समस्या से पीड़ित हो तो छोटा बच्चा भी उसे देखकर काफी कुछ सीख जाता है। वैसे एक अध्ययन में यह भी पाया गया कि छोटे बच्चे अपनी मां से भी सोशल एंग्जाइटी बिहेवियर सीख सकते हैं। मां द्वारा अनजाने में ही अशाब्दिक संकेत बच्चे को यह सिखा सकते हैं कि अजनबी या अपरिचित व्यक्ति चिंता का एक स्रोत हैं।

12 से 36 महीने तक की आयु सीमा के दौरान एक बच्चे का भावनात्मक और संज्ञानात्मक विकास होने लगता है, जिसके कारण उनके सोशल स्किल्स भी डेवलप होते हैं। यह वह वक्त होता है, जब बच्चा घर से बाहर निकलता है। डेकेयर से लेकर प्ले स्कूल आदि में जाने लगते हैं। ऐसे में वह घर के सदस्यों के अतिरिक्त दूसरे बच्चों व व्यस्क लोगों से मिलते हैं। कभी-कभी इस अवस्था में बच्चे सोशल फीयर्स भी जन्म लेने लगते हैं। हो सकता है कि वह दूसरों के साथ सामाजिक संपर्क होने पर सहज महसूस ना करें। शुरूआती दिनों में नई जगह पर सेट होने में बच्चे थोड़ा समय लगता है, लेकिन अपरिचित लोगों को उसे घबराहट या एंग्जाइटी होती है तो ऐसे में जल्द से जल्द बच्चे की मदद करनी चाहिए, अन्यथा आगे चलकर उसे इस सोशल एंग्जाइटी के कारण कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। तो चलिए जानते हैं कि टॉडलरहुड में सोशल एंग्जाइटी को किस तरह दूर किया जाए-

बच्चे की मदद करने से पहले आपको उनमें होने वाली सोशल एंग्जाइटी के कारणों के बारे में भी जानना चाहिए। वैसे अभी तक यह पूरी तरह क्लीयर नहीं है कि इतनी छोटी उम्र के बच्चों में सोशल एंग्जाइटी का वास्तविक कारण क्या है। हालांकि इसके लिए अधिकतर मामलों में जेनेटिक्स को कारण माना जाता है, क्योंकि यह एक बच्चे के स्वभाव और व्यक्तित्व में योगदान देता है। इसके अलावा, एक बच्चे का वातावरण भी उन्हें सोशल एंग्जाइटी का शिकार बना सकता है। मसलन, अगर घर में पहले से ही कोई

यूं करें मदद

अब सवाल यह उठता है कि इतनी कम उम्र के बच्चों की आप किस तरह मदद कर सकती हैं ताकि उनकी सोशल एंग्जाइटी को कम किया जा सके।

- सबसे पहले तो पैरेंट्स घर में हेल्दी सोशल इन्टरैक्शन करें। इससे बच्चा देखता और सीखता है कि बाहरी दुनिया व अजनबी लोगों से बहुत अधिक डरने की आवश्यकता नहीं है।
- बच्चे को नए लोगों से घुलने-मिलने का मौका दें और उन्हें इसके लिए प्रोत्साहित करें। लेकिन कभी भी उसके साथ जबरदस्ती ना करें। इससे बच्चे पर विपरीत प्रभाव पड़ता है।
- अगर आपका बच्चा पहली बार बाहर जा रहा है तो ऐसे में पहले घर पर उसकी रिहर्सल करने से बच्चे के मन के डर को काफी हद तक कम किया जा सकता है। मसलन, अगर आप उन्हें डेकेयर या प्ले स्कूल ले जा रही हैं तो पहले घर पर रोल प्ले करें। इससे बच्चे को स्कूल के माहौल की काफी जानकारी पहले ही हो जाती है।
- बच्चे की सोशल एंग्जाइटी को कम करने के लिए पहले खुद को शांत रखें। इससे बच्चे को लगता है कि नई जगहों पर जाना या नए लोगों से मिलने-जुलने में कोई डर नहीं है।
- बच्चे को लेकर ओवर-प्रोटेक्टिव ना हों। इससे उनका आत्मविश्वास बूस्ट अप नहीं होता। जिसके कारण वह अपने मन के डर को दूर नहीं कर पाते।
- अगर किसी भी उपाय से आपको पर्याप्त रूप से लाभ ना हो तो ऐसे में आप प्रोफेशनल हेल्प भी ले सकते हैं।

रसोई में रखी खाने की ये चीजें नहीं होती कभी खराब, लंबे समय तक कर सकते हैं स्टोर

बाजार से खाने-पीने की चीजें खरीदकर घर लाते ही सबसे पहले लोग उसे खराब होने से बचाने के लिए स्टोर करने का सही तरीका खोजते और अपनाते हैं। खाने-पीने की चीजें अक्सर जल्दी खराब हो जाती हैं, यही वजह है कि लोग उसे जल्दी खाकर खत्म कर देते हैं। पर क्या आप जानते हैं आपकी किचन में मौजूद खाने पीने की कई ऐसी चीजें हैं, जिन्हें उनके पोषण तत्वों के साथ लंबे समय तक स्टोर किया जा सकता है। आइए जानते हैं किचन में मौजूद ऐसी ही कुछ खाने की चीजों के बारे में जिनकी नहीं होती कभी एक्सपायरी।

सफेद चावल

सफेद चावल को अनिश्चित काल तक स्टोर करके रखा जा सकता है। एक शोध की मानें तो सफेद चावल 30 वर्षों तक अपने पोषक तत्व और स्वाद को बनाए रख सकते हैं।

सरसों के दाने

अगर आप अच्छे ब्रांड के सरसों दाने इस्तेमाल करते हैं तो खुला रहने के बावजूद आप इन्हें एक वर्ष से अधिक समय तक भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

ड्राई बीन्स

अध्ययन के अनुसार, बीन्स का सेवन व्यक्ति 30 साल बाद भी खाने के लिए कर सकता है। बीन्स आपातकालीन भोजन के लिए प्रोटीन से भरपूर भोजन का एक बेहतर विकल्प माना गया है। बीन्स को अच्छी तरह से एयर टाइट कंटेनर में लंबे समय तक स्टोर किया जा सकता है।

चीनी

लंबे समय तक स्टोर की जाने वाली चीजों में चीनी का भी नाम शामिल है। चीनी भी लंबे समय तक अपने पोषण से भरपूर गुणों को खोए बिना स्टोर की जा सकती है। इसके लिए आप चीनी को किसी एयरटाइट कंटेनर में बंद करके लंबे समय तक के लिए रखें।

नमक

नमक को भी चीनी की ही तरह लंबे समय के लिए अपनी गुणवत्ता खोए बिना स्टोर किया जा सकता है। नमक को ठीक से स्टोर करने से न तो इसमें कभी गुलठियां पड़ती हैं और न ही कभी इसमें कीड़े लगते हैं।

बैचलर पार्टी के लिए खुद को इस तरह करें रेडी

फैशन एक्सपर्ट बताते हैं कि यह एक आसान तरीका है बैचलर पार्टी में खुद को तैयार करने का। इन दिनों बैचलर पार्टी में थीम पार्टी काफी चलन में हैं। मसलन, गर्ल्स की पजामा पार्टी आदि। ऐसे में पार्टी में शामिल होने वाली सभी लड़कियां नाइट सूट में नजर आ सकती हैं।

वो जमाने लद गए, जब केवल पुरूष ही शादी से पहले बैचलर पार्टी किया करते थे। आज के दौर में लड़कियां भी बैचलर पार्टी करना पसंद करती हैं। जिसमें वह अपनी फ्रेंड्स के साथ मिलकर आखिरी बार अपने बैचलर हुड को एन्जॉय करती हैं। वैसे शादी से पहले की जाने वाली यह बैचलर पार्टी लड़कियों के लिए बेहद खास होती है और इसलिए वह इसकी काफी सारी तैयारियां भी करती हैं। इन सभी तैयारियों के बीच एक तैयारी यह भी होती है कि बैचलर पार्टी के लिए खुद को किस तरह रेडी किया जाए। तो चलिए आज हम आपको बैचलर पार्टी के लिए खुद को स्टाइल करने के कुछ तरीकों के बारे में बता रहे हैं-

फैशन एक्सपर्ट बताते हैं कि यह एक आसान तरीका है बैचलर पार्टी में खुद को तैयार करने का। इन दिनों बैचलर पार्टी में थीम पार्टी काफी चलन में हैं। मसलन, गर्ल्स की पजामा पार्टी आदि। ऐसे में पार्टी में शामिल होने वाली सभी लड़कियां नाइट सूट में नजर आ सकती हैं। इसके अलावा, अगर आप चाहें तो कोई कलर कोड या डेस कोड को भी अपनी पार्टी का हिस्सा बना सकती हैं। इससे सिर्फ आपको ही रेडी होने में आसानी नहीं होगी, बल्कि हर गेस्ट खुद को आसानी से स्टाइल कर पाएगा। साथ ही इसमें आप सभी को काफी मजा भी आएगा।

कंफर्ट को दें प्राथमिकता

बैचलर पार्टी वास्तव में ढेर सारी मौज-मस्ती करने के लिए होती है। इसलिए ऐसे में आप चाहे जो भी पहनें, लेकिन आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि उसमें आप खुद को कंफर्टेबल महसूस कर पाएं ताकि आप खुलकर एन्जॉय कर सके। जरा सोचिए कि अगर आपने बैचलर पार्टी के लिए हैवी लॉन्ग गाउन कैरी किया तो फिर आप पार्टी में खेले जाने वाले गेम्स को किस तरह एन्जॉय करेंगी। इसलिए आपका आउटफिट लाइटवेट और कंफर्टेबल होना चाहिए। फैशन एक्सपर्ट के अनुसार, अपनी बैचलर पार्टी को रॉकिंग बनाने और उसमें अपने स्टाइल का जलवा बिखेरने के लिए आप अपने लुक में एक एक्स फैक्टर एड कर सकती हैं। अगर आपका कलर कोड या डेस कोड सेम नहीं है तो भी आप अपनी एसेसरीज को एक जैसा रखने की कोशिश करें। मसलन, आप किसी खास तरह के हेडबैंड या कैप्स आदि को अपने स्टाइल का हिस्सा बनाएं। इससे आप सभी फ्रेंड्स अलग-अलग दिखकर भी एक जैसी ही नजर आएंगी। यह देखने में काफी कूल लगेगा।

गर्मियों में इन्वर्टर का ऐसे रखें ख्याल

गर्मी के मौसम में जब आधी रात को अचानक से बिजली गुल हो जाए और इन्वर्टर भी खराब हो तो मानों कोई बहुत बड़ी विपदा आन पड़ी हो। ऐसी मुसीबत से लगभग हर कोई बचना चाहेगा। गर्मियों के मौसम में जगह-जगह घंटों तक बिजली का गुल होना आजकल आम बात है। कुछ शहरों में तो पूरे दिन बिजली का अता-पता नहीं रहता। ऐसे समय में लगभग सभी घर में इन्वर्टर का महत्व बहुत अधिक हो जाता है। लेकिन, कई बार इन्वर्टर और बैटरी खराब होने की वजह से गर्मी के मौसम में जान निकल जाती है। ऐसे में गर्मियों के मौसम में इन्वर्टर की बैटरी का ध्यान रखना बहुत जरूरी हो जाता है। अगर आप भी घर में इन्वर्टर का इस्तेमाल करती हैं तो आपको भी इस आर्टिकल को जरूर पढ़ना चाहिए। क्योंकि, इस लेख में हम आपको कुछ शानदार टिप्स बताने जा रहे हैं जिन्हें फॉलो करके गर्मियों के मौसम में इन्वर्टर की बैटरी को जल्दी खराब होने से आप बचा सकती हैं।

अधिक लोड न दें

अगर आपको इन्वर्टर और बैटरी को जल्दी खराब होने से बचाना है तो फिर आपको बैटरी पर अधिक लोड देने से बचना चाहिए। गर्मियों के मौसम में जरूरत से अधिक लाइट्स जलाने या पंखा चलाने से बचें। कई बार घर में लाइट नहीं होने पर महिलाएं इन्वर्टर से ही मिक्सी चलाने लगती हैं या फिर कई बार आयरन भी इन्वर्टर से ही करती हैं जिससे बैटरी जल्दी खराब हो जाती है। ऐसे में अगर आपको इन्वर्टर की बैटरी की हेल्थ को सही रखनी है तो उस पर अधिक लोड न दें। दिन में आप सभी लाइट्स को ऑफ कर सकती हैं।

एसिड लेवल चेक करते रहें

गर्मियों के मौसम में इन्वर्टर की बैटरी जल्दी खराब न हो इसके लिए समय-समय पर एसिड लेवल चेक करते रहना बहुत जरूरी है। कहा जाता है कि अगर बैटरी में एसिड लेवल सामन्य स्तर से कम है तो बैटरी में मौजूद कार्बन प्लेस्ट पर बुरा असर पड़ता है जिसकी वजह से बैटरी जल्दी खराब हो सकती है। (सोलर इन्वर्टर की देखभाल) ऐसे में समय-समय पर बैटरी में डिस्टिल्ड वाटर को डालते रहना चाहिए, जिससे बैटरी की लॉन्ग लाइफ बरक्रार रहे।

फुल चार्ज होने के बाद करें इस्तेमाल

लाइट नहीं होने पर इन्वर्टर का इस्तेमाल करते हैं और जब बैटरी एकदम से बैठ जाती है तो उसे फुल चार्ज होने में लगभग 5-6 घंटा लगता है। अगर फुल चार्ज होने से पहले ही इन्वर्टर की बैटरी का इस्तेमाल करते हैं तो बैटरी जल्दी खराब हो सकती है। कई बार फुल चार्ज नहीं होने पर वोल्टेज का प्रभाव भी कम रहता है। कई बार लाइट्स भी अप एंड डाउन होने लगती हैं। ऐसे में एक बार बैटरी बैठने के बाद जब तक फुल चार्ज नहीं हो जाए तब तक इन्वर्टर का इस्तेमाल न करें।

कनेक्शन पॉइंट की करें सफाई

आपको बता दें कि बैटरी में जिस जगह लाइट की तार जुड़ी होती है उस जगह कई बार कार्बन पकड़ लेता है जिससे बिजली का प्रभाव बहुत कम हो जाता है। ऐसे में सबसे पहले स्विच ऑफ करके कनेक्शन पॉइंट की सफाई कर लें। इस प्रक्रिया को महीने में एक से दो बार जरूर करें। इससे बैटरी जल्दी खराब होने से बच सकती है। कई लोग कनेक्शन पॉइंट को टर्मिनल पॉइंट भी बोलते हैं।

इन बातों का भी रखें ध्यान

- इन्वर्टर की बैटरी को किसी नमी वाली जगह रखने से बचें।
- बैटरी को दीवार, दरवाजा आदि चीजों से एक से दो इंच दूर ही रखें।
- अगर आपको सफाई करने या फिर एसिड बदलने में डर लगता है तो आप किसी एक्सपर्ट की मदद ले सकती हैं।
- बैटरी को किसी भी चीज से ढककर न रखें।

कुछ हल्का खाने का मन हो तो बनाएं कॉर्न पुलाव

कॉर्न पुलाव बनाना बेहद ही आसान है। इसके लिए आप पहले एक कुकर लें और उसमें एक बड़ा चम्मच तेल डालकर गर्म करें। अब इसमें लौंग, काली मिर्च, दालचीनी, हरी इलायची डालकर एक मिनट के लिए चलाएं। अब इसमें अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर हल्का भूनें।

रविवार का दिन हो तो कुछ हल्का और टेस्टी खाने का मन करता ही है। दरअसल, छुट्टी के दिन हम सभी रिलैक्सिंग मूड में होते हैं और इसलिए किचन में बहुत अधिक वक्त बिताने का मन नहीं करता। हो सकता है कि आप भी यही सोच रही हों कि इस संडे क्या बनाया जाए। अगर आप भी कुछ हल्का और डिलिशियस खाना चाहती हैं तो कॉर्न पुलाव तैयार कर सकती हैं। चावल की मदद से बनने वाली यह डिश बनाने में जितनी आसान होती है, खाने में उतनी ही लाजवाब होती है। तो चलिए जानते हैं कि कॉर्न पुलाव बनाने के लिए आपको क्या करना होगा-

सामग्री- तीन चौथाई कप मकई के दाने उबले हुए, डेढ़ कप चावल करीबन आधे घंटे तक भिगोए हुए, 1 बड़ा चम्मच तेल, काली मिर्च 5-6, लौंग 4-5, दालचीनी एक छोटा टुकड़ा, हरी इलायची 3-4, 1 बड़ा चम्मच अदरक-लहसुन का पेस्ट, प्याज 1 मध्यम कटा हुआ, नमक स्वाद अनुसार, हल्दी पाउडर, हरी मिर्च तिरछी कटी हुई

विधि- कॉर्न पुलाव बनाना बेहद ही आसान है। इसके लिए आप पहले एक कुकर लें और उसमें एक बड़ा चम्मच तेल डालकर गर्म करें। अब इसमें लौंग, काली मिर्च, दालचीनी, हरी इलायची डालकर एक मिनट के लिए चलाएं। अब इसमें अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर हल्का भूनें। अब इसमें प्याज, हरी मिर्च व हल्दी डालकर चलाएं। प्याज गोल्डन कलर के हो जाने के बाद इसमें चावल डालें और करीबन दो मिनट के लिए हिलाएं। अब इसमें पानी और कॉर्न डालें। साथ ही स्वादानुसार नमक डालकर मिक्स करें। लिड लगाकर कुकर का ढक्कन बंद कर दें। धीमी आंच पर दो सीटी आने तक इसे पकाएं। कॉर्न पुलाव बनाने वालों का कहना है कि इसे कई तरीकों से बनाया जा सकता है। मसलन, आप इसमें कॉर्न के अलावा अपनी पसंद की सब्जी जैसे मटर, टमाटर, शिमलामिर्च, पनीर आदि को भी मिक्स करके इस कॉर्न पुलाव को और भी ज्यादा हेल्दी और टेस्टी बना सकते हैं। वैसे सिर्फ कॉर्न व प्याज के साथ भी इसका टेस्ट गजब का आता है।

शुभ है वास्तु के अनुसार बोनसाई रखना

समय के साथ लाइफस्टाइल में भी काफी बदलाव आ रहे हैं। कई लोग नेचर में सुकून ढूंढते हैं इसके लिए लोग घरों में पेड़ पौधें लगाने लगे हैं। इन दिनों बोनसाई के पेड़ काफी ट्रेंडिंग में चल रहे हैं। लोग इस छोटे से पेड़ को अपने घर में रखना पसंद कर रहे हैं। कोई अपने शौक के लिए इसे रख रहा है तो कोई प्रकृति प्रेमी होनी की वजह से। लेकिन वास्तु के अनुसार इस पेड़ को रखना शुभ माना गया है। तो आइए जानते हैं कारण -

- कहते हैं अगर आपको बहुत गुस्सा आता है या आप फ्रस्टेट हो जाते हैं तो इससे आपको बहुत शांति मिलती है।

जी हां, इसे घर में रखने से आपका मन शांत रहेगा और आपको प्रोडक्टिव रहने में भी मदद करेगा।

- बोनसाई के पौधे घर की हवा को प्यूरीफाई करते हैं। यह घर की हवा में मौजूद टॉक्सिन को बाहर करते हैं। इससे सांस लेने में आसानी होती है और हवा को शुद्ध करता है।
- इस पेड़ को घर में रखने से आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा। कई बीमारियों से आपको दूर रखता है। इतना ही नहीं यह आपके अंदर सकारात्मकता बढ़ाता है।
- कई बार लोग हड़बड़ी में कोई काम करके या निर्णय लेकर पछताते हैं। ऐसे में बोनसाई पेड़ आपकी मदद करेगा। ह आपको धैर्यवान, तनाव मुक्त रखेगा।

सार समाचार

रमजान के दौरान जारी है इजराइल-फलस्तीन हिंसा, दो लोगों को गोली मारकर किया जख्मी

यरुशलम। कब्जा किए गए वेस्ट बैंक में इजराइली बलों ने फलस्तीन के दो व्यक्तियों को गोली मारकर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया। यह जानकारी फलस्तीन के स्वास्थ्य मंत्रालय ने दी है। मुसलमानों के पाक महीने रमजान के दौरान इजराइल-फलस्तीन हिंसामें यह नई घटना है। इजराइल की सेना उत्तरी वेस्ट बैंक के जेनिन के पश्चिम में स्थित यमून गांव में एक शख्स की गिरफ्तारी करने के लिए छापेमारी कर रही थी, तभी दर्जनों फलस्तीनियों ने उनपर पथराव कर दिया और विस्फोटक फेंके, जिसके बाद पुलिस ने गोलीबारी कर दी। सेना ने एक बयान में बताया कि सैनिकों ने विस्फोटक फेंकने वालों पर गोलीबारी की है। फलस्तीन की सरकारी समाचार एजेंसी ह्यवफाह्न के मुताबिक, दो घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इजराइल ने हाल के हफ्तों में उसपर किए गए दो हमलों के संदिग्धों या उनके संपर्कों की तलाश में फलस्तीनी शहरों में फौज भेजी है। इस महीने के शुरू में, एक फलस्तीनी बंदूकधारी ने तेल अवीव के एक बार पर गोलीबारी कर दी थी जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई थी और फिर वह मौके से भाग गया था। बाद में पुलिस के साथ मुठभेड़ में उसकी मौत हो गई थी। इसके अलावा इजराइल में अन्य स्थानों पर हाल में हमले हुए हैं जिनमें 14 लोगों की मौत हुई है। ह्यएसोसिएटेड प्रेसह्न की गणना के मुताबिक, हाल के हफ्तों में इजराइली बलों ने कम से कम 25 फलस्तीनियों की जान ले ली है। उनमें से कई ने हमले किए थे या वे संघर्षों में शामिल थे, लेकिन एक निहत्थी महिला और एक वकील भी मृतकों में शामिल है जो राहगीर थे।

पाकिस्तान नागरिक अशांति की ओर बढ़ रहा है : पूर्व मंत्री ने आगाह किया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के एक वरिष्ठ नेता ने आगाह किया कि मुल्क नागरिक अशांति की ओर बढ़ रहा है। पूर्व सूचना मंत्री फवाद चौधरी ने पंजाब विधानसभा में झड़प पर प्रतिक्रिया देते हुए शनिवार को यह टिप्पणी हुई। पंजाब विधानसभा में गुस्साएं विधायकों ने अध्यक्ष और उपाध्यक्ष दोनों से मारपीट की थी। उग्र सदस्यों को काबू में करने के लिए पुलिस बुलायी गयी। ये सदस्य कार्यवाहक अध्यक्ष दोस्त मुहम्मद मजारी को प्रांत के नए मुख्यमंत्री का चुनाव करने के लिए मतदान कराने से रोक रहे थे। फवाद ने ट्वीट किया, 'हम पूरी तरह नागरिक अशांति से कुछ इंच दूर हैं, इमरान खान ने जल्द ही बहुत अधिक संयम बरता है, यहां तक कि वह भी इस गुस्साई भीड़ को रोक नहीं पाएंगे और हम देश को नागरिक अशांति की ओर बढ़ते देखेंगे।' पूर्व मंत्री ने यह भी कहा कि मौजूदा राजनीतिक उथल-पुथल का संबंध उच्चतम न्यायालय द्वारा बागी विधायकों की किस्मत का फैसला करने से जुड़े मामले पर निर्णय लेने में 'नाकामी' से है। पार्टी के एक अन्य नेता जुल्फी बुखारी ने कहा, ह्यहमें महज कुछ एमपीए (प्रांतीय विधानसभा के सदस्य) हैं, कल्पना कीजिए अगर अवाम काबू से बाहर हो जाती है और मामले को अपने हाथों में ले लेती है...इस नागरिक अशांति को शांत करने का एकमात्र हल चुनाव है। लोगों को अपने भाग्य का फैसला खुद करने दीजिए। चुनाव कराइए।' प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी उपाध्यक्ष पर हमले की निंदा करते हुए कहा, 'हिंसा और गुंडागर्दी का यह खुला प्रदर्शन फासीवादी है।

फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों ने चुनावी रैली में जलवायु परिवर्तन का मुद्दा उठाया

पेरिस। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने शनिवार को मार्सिले में एक प्रमुख चुनावी रैली की, जिसमें उन्होंने पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन से जुड़ी अपने शासनकाल की उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं के बारे में बताया, ताकि युवा मतदाताओं को अपने पक्ष में मतदान के लिए आकर्षित किया जा सके। फ्रांसीसी शहर मार्सिले में नागरिकों ने विशेष तौर से 10 अप्रैल को हुए पहले दौर के मतदान में मैक्रों के प्रतिद्वंदी वाम विचारधारावाले राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जीन-ल्यूक मेलेनचॉन का समर्थन किया था। मार्सिले शहर के युवा मतदाता, मुख्य रूप से पिछले रविवार तक वामपंथी और दक्षिणपंथी विचारधारा के मध्य में झूल रहे थे,वे विशेष रूप से जलवायु के मुद्दों से जुड़े हुए हैं। यह एक ऐसा विषय है जिससे मैक्रों ने अपने भाषण के जरिए लोगों को अपने पक्ष में लाने की कोशिश की। उन्होंने कहा, 'मैं उस चिंता को सुनता हूं जो हमारे बहुत से युवा लोगों में मौजूद है। मैं युवाओं, किशोरों को देखता हूं, जो हमारे ग्रह के भविष्य को लेकर भयभीत हैं।' फ्रांस में 24 अप्रैल को दूसरे दौर का मतदान होना है जिसमें मैक्रों का मुकाबला दक्षिणपंथी प्रतिद्वंद्वी मरीन ले पेन से होने वाला है। जबकि मेलेनचॉन सहित 10 अन्य उम्मीवार पहले दौर के मतदान में बाहर हो गए थे।

श्रीलंका का प्रतिनिधिमंडल अमेरिका के लिए रवाना, आईएमएफ से मांगेगा चार अरब डॉलर का राहत पैकेज

कोलंबो। विदेशी मुद्रा के गंभीर संकट से जूझ रहे श्रीलंका में सरकार का एक प्रतिनिधिमंडल रविवार को अमेरिका के लिए रवाना हो गया जहां वह चार अरब डॉलर का राहत पैकेज पाने के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से बात करेगा। नवनियुक्त वित्त मंत्री अली साबरी के नेतृत्व में यह प्रतिनिधिमंडल 19 से 24 अप्रैल के बीच अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से वार्ता करेगा। साबरी ने कहा कि श्रीलंका आईएमएफ से चार अरब डॉलर का राहत पैकेज पाना चाहता है। इससे पहले, मंगलवार को वित्त मंत्रालय ने कहा था कि जब तक आईएमएफ के साथ कर्ज पुनर्गठन कार्यक्रम पूरा नहीं हो जाता, वह विदेशी कर्ज के भुगतान को निलंबित कर रहा है। श्रीलंका को इस साल सात अरब डॉलर के कर्ज का भुगतान करना है। 1948 के बाद से श्रीलंका के इतिहास में यह पहली बार है जब वह कर्ज का भुगतान करने में विफल रहा है।श्रीलंका प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग (एसईसी) ने शनिवार को घोषणा की थी कि श्रीलंका के शेयर बाजार कोलंबो स्टॉक एक्सचेंज में कारोबार एक हफ्ते तक बंद रहेगा। एसईसी ने कहा कि निवेशकों को बाजार के बारे में अधिक स्पष्टता एवं समझ पैदा करने का मौका देने के इरादे से कोलंबो स्टॉक एक्सचेंज में इस सोमवार से लेकर शुक्रवार तक कारोबार बंद रखने का फैसला किया गया है।

अल्जीरिया में रमजान के अवसर पर आयोजित एक इफ्तार कार्यक्रम में शामिल लोग।

मारियुपोल पर कब्जे से वार्ता बंद हो सकती है : यूक्रेन

वाशिंगटन। यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा ने मारियुपोल में हालात गंभीर और हृदय विदारक बताए और कहा कि वहां रूस के जारी हमले एक 'लाल रेखा' साबित हो सकते हैं, जिससे बातचीत के जरिए शांति पर पहुंचने के सभी प्रयास खत्म हो जाते हैं। कुलेबा ने सीबीएस के ह्याफेस द नेशन' को बताया कि बंदरगाह शहर में मौजूद यूक्रेन की सेना के बाकी के कर्मियों और नागरिकों को असल में रूसी सेना ने घेर लिया है। उन्होंने कहा कि यूक्रेनियों का संघर्ष जारी है लेकिन भारी विध्वंस के कारण अब शहर का कोई अस्तित्व नहीं बचा है। कुलेबा ने कहा कि उनका देश शांति के लिए किसी राजनीतिक समाधान पर पहुंचने की उम्मीद के साथ हाल के हफ्तों में रूस के साथ 'विशेषज्ञ स्तर' की वार्ता करता रहा है। लेकिन मारियुपोल की महत्ता बताते हुए उन्होंने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की की उस बात को दोहराया कि यूक्रेनी बलों का खात्मा शांति प्रयासों को रोकने वाली 'लाल रेखा' हो सकती है। वहीं, यूक्रेन के प्रधानमंत्री ने कहा कि मारियुपोल पर रूस का कब्जा नहीं हुआ है और वहां यूक्रेनी सेना 'अंत तक' लड़ेगी। प्रधानमंत्री डेनिस श्मीहाल ने रविवार को एक अमेरिकी टेलीविजन पर पूर्वी शहर में बिना भोजन, पानी और बिजली के साथ फंसे 1,00,000 यूक्रेनियों की मदद की अपील की। उन्होंने कहा कि मारियुपोल के कुछ क्षेत्र अब भी यूक्रेन के कब्जे में हैं और रूस ने शहर पर पूरी तरह कब्जा नहीं जमाया है। राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि वह युद्ध, अत्याचार और गरीबी की 'काली छाया' में रह रहे लोगों के लिए ईस्टर पर प्रार्थना करते हैं।

पीएम मोदी को खत लिखकर अपने ही देश में घिरे शहबाज शरीफ

इस्लामाबाद (एजेंसी)

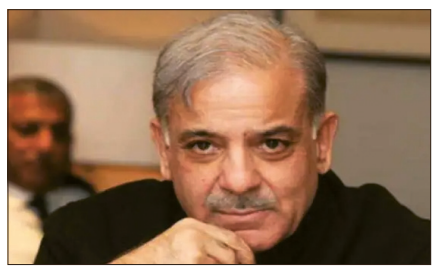

पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ पीएम मोदी को पत्र लिखकर अपने देश में ही फंसते दिख रहे हैं। पीएम मोदी को लिखे पत्र में शहबाज शरीफ ने लिखा कि दोनों देशों की शांति और विकास के लिए जम्मू-कश्मीर और अन्य विवादित मुद्दों का समाधान होना चाहिए। पत्र के लहजे को लेकर पाकिस्तान के पूर्व राजनयिक और भारत में पाकिस्तान के उच्चायुक्त रह चुके अब्दुल बासित ने शहबाज शरीफ पर निशाना साधकर कहा है कि ये बहुत कमजोर प्रतिक्रिया है। दरअसल, शाहबाज शरीफ ने ये पत्र रविवार को पीएम मोदी के बधाई के जवाब में लिखा। पीएम मोदी ने शहबाज शरीफ के प्रधानमंत्री बनने पर ट्विटर के जरिए बधाई दी थी।

शरीफ के मोदी को लिखे पत्र पर निशाना साधकर अब्दुल बासित ने अपने ट्वीट में लिखा, 'यह एक कमजोर प्रतिक्रिया है। कश्मीर कोई मुद्दा नहीं बल्कि विवाद है। पीएम मोदी ने अपने बधाई संदेश में आतंकवाद का जिक्र किया था लेकिन कश्मीर में भारत के राज्य पोषित आतंकवाद का क्या? और कमांडर कुलभूषण जाधव का क्या? पाकिस्तान को इस तरह क्षमा-याचना की जरूरत नहीं। बासित के ट्वीट के जवाब में यूजर ने पूछा कि, तब फिर क्या पाकिस्तान के प्रधानमंत्री को अपनी पहली ही बातचीत में भारत के साथ युद्ध को घोषणा कर देना चाहिए थी? जवाब में अब्दुल बासित ने कहा, मेरे कहने का मतलब बस ये था कि भारत को और बेहतर ढंग से जवाब दिया जा सकता था।

एक अन्य यूजर ने पीएम मोदी की बधाई संदेश ट्वीट करते हुए लिखा, 'असल बात तब यही है। भारतीय प्रधानमंत्री का बधाई संदेश स्पष्ट रूप से पाकिस्तान के प्रति उनकी सरकार की मंशा को दशार्ता है, लेकिन हमारी सरकार हमेशा क्षमाप्रार्थी रही है। दूसरे यूजर ने लिखा,तब आप इस सरकार से उम्मीद क्या करते हैं? ये लुटेरे हैं और आप इनसे कूटनीति की उम्मीद रखते हैं। ये लोग किसी भी कीमत पर मोदी और अमेरिका को खुश रखने वाले हैं। आप इमरान खान की आलोचना किया करते थे,लेकिन अब आप शहबाज से उम्मीदें रखकर अपना वक्त बर्बाद कर रहे हैं। यूजर ने लिखा, 'पाकिस्तान का पहला औपचारिक समर्पण- एक बहुत ही कमजोर प्रतिक्रिया।ये प्रतिक्रिया न केवल कश्मीर के मुद्दे को कमजोर करती है,बल्कि भारत के 5 अगस्त के एकतरफा कदम के बाद पाक के अथक प्रयासों पर भी पानी फेर देती है।इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि इस तरह की प्रतिक्रिया शरीफ परिवार की तरफ से आ रही है, बेहद दुख की बात है।

एलन मस्क की बढ़ी मुश्किलें, टेस्ला शेयरधारकों के एक समूह ने दर्ज कराया मुकदमा

डेट्रॉयट (अमेरिका) (एजेंसी)

'टेस्ला' कम्पनी के शेयरधारकों के एक समूह ने कम्पनी को निजी बनाने के बारे में मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एलन मस्क के 2018 के कुछ ट्वीट को लेकर उन पर मुकदमा कर दिया है और संघीय न्यायाधीश से मस्क को मामले पर टिप्पणी करना बंद करने का आदेश देने का अनुरोध किया है। अदालती दस्तावेजों में टेक्सास स्थित कम्पनी के शेयरधारकों के वकीलों ने कहा कि मामले में एक न्यायाधीश ने फैसला सुनाया था कि टेस्ला को निजी बनाने के लिए 'निधि सुरक्षित रखने' से जुड़े मस्क के ट्वीट झूठे थे और उनकी टिप्पणी 2018 के अदालती समझौते का भी उल्लंघन करती है।

समझौते के तहत मस्क और टेस्ला ने दो-दो करोड़ डॉलर का जुमार्ना देने पर सहमति व्यक्त की थी। गौरतलब है कि मस्क ने बृहस्पतिवार को 'टेड 2022' सम्मेलन में एक साक्षात्कार के दौरान कहा कि उनके पास 2018 में टेस्ला को निजी बनाने के लिए धन था। उन्होंने कहा कि उन्होंने केवल इसलिए समझौता कर लिया क्योंकि बैंक अधिकारियों ने उन्हें कहा था कि अगर वे ऐसा नहीं करते हैं, तो वे धन मुहैया करना बंद कर देंगे और टेस्ला कम्पनी दिवालिया हो जाएगी। टेस्ला शेयरधारकों के वकीलों ने शुक्रवार को दायर अदालती दस्तावेजों में आरोप लगाया कि मस्क मुकदमे में संभावित ज्यूरी के सदस्यों को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं। वकीलों का कहना है कि मस्क संभावित ज्यूरी के सदस्यों को प्रभावित करने के लिए अभियान चला रहे हैं, क्योंकि मामले पर जल्द सुनवाई शुरू होने वाली है। उन्होंने तर्क दिया कि मस्क ने 2018 के ट्वीट में टेस्ला को निजी बनाने के लिए 420 डॉलर प्रति शेयर की कीमत केवल शेयर की कीमतों में फेरबदल करने के लिए बताई थी।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान से आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा

इस्लामाबाद (एजेंसी)

पाकिस्तान ने रविवार को कहा कि उसके सुरक्षा बलों को पिछले कुछ दिनों में अफगानिस्तान से सीमा पार से होने वाले हमलों में निशाना बनाया गया है और पड़ोसी देश के तालिबान शासकों से आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा है। पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर हाल की घटनाओं के संबंध में मीडिया के सवालों के जवाब में विदेश कार्यालय की यह टिप्पणी आई है। विदेश कार्यालय ने कहा, 'पिछले कुछ दिनों में पाक-अफगान सीमा पर घटनाएं काफी बढ़ गई हैं, जिसमें सीमा पार से पाकिस्तानी सुरक्षा बलों को निशाना बनाया गया है।' विदेश कार्यालय ने कहा कि पाकिस्तान ने पिछले कुछ महीनों में बार-बार अफगानिस्तान सरकार से पाक-अफगान सीमा क्षेत्र को सुरक्षित करने का अनुरोध किया है क्योंकि 'आतंकवादी पाकिस्तान में अपनी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए अफगानिस्तान की धरती का इस्तेमाल कर रहे हैं।' पाकिस्तान और अफगानिस्तान अपनी सीमा पर प्रभावी समन्वय और सुरक्षा के लिए पिछले कई महीनों से बातचीत कर रहे हैं। विदेश कार्यालय ने कहा, 'दुर्भाग्य से, टीटीपी (तहरिक-ए-तालिबान) सहित सीमावर्ती क्षेत्र में प्रतिबंधित आतंकवादी समूहों के तत्वों ने पाकिस्तान की सीमा सुरक्षा चौकियों पर हमला करना जारी रखा है।'

ईरानी राष्ट्रपति की चेतावनी- हमारे खिलाफ अगर कोई उठाया विरोधी कदम तो इजरायल को भुगतना पड़ेगा अंजाम

कराची। (एजेंसी)

तेहरान। ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी ने सोमवार को चेतावनी दी कि अगर इजराइल उनके देश के खिलाफ ''कोई छोटा सा कदम' भी उठाता है, तो ईरानी सशस्त्र बल उसे निशाना बनाएंगे। उन्होंने यह बात तब कही जब ईरान की परमाणु क्षमताओं पर लगाम लगाने के लिए एक समझौते पर बातचीत रुकी हुई है। ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम का शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए उपयोग करने का दावा करता है। इजराइल, यह कहते हुए समझौते का विरोध करता है कि यह ईरान के परमाणु कार्यक्रम या पूरे क्षेत्र में उसकी सैन्य गतिविधियों को रोकने के लिए पर्याप्त नहीं है। इजराइल के अधिकारियों ने कहा है कि वे अपने देश की रक्षा के लिए एकतरफा कदम उठाएंगे। रायसी ने ईरान के सशस्त्र बलों की वार्षिक परेड में एक भाषण के दौरान सीधे इजराइल को संबोधित किया। तेल अवीव का जिक्र करते हुए रायसी ने कहा, 'यदि आप ईरान के खिलाफ कोई छोटे से छोटा कदम भी उठाते हैं, तो हमारे सशस्त्र बलों का निशाना जायनी (यहूदीवादी) शासन का केंद्र होगा।' रायसी ने विस्तार से नहीं बताया, लेकिन कहा कि ईरान इजराइल के हर कदम पर 'बारीकी से' नजर रखता है। ईरान ने 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद से इजराइल को मान्यता नहीं दी है। इस क्रांति ने पश्चिम समर्थक राजशाही को हटा दिया और इस्लामवादियों को सत्ता में पहुंचाया। यह हमास और हिजबुल्लाह जैसे इजराइल विरोधी आतंकवादी समूहों का समर्थन करता है। रायसी ने कहा कि ईरान की सैन्य शक्ति एक प्रतिरोधक है। उन्होंने कहा कि तेहरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर देश पर वर्षों से लगाए गए प्रतिबंधों के बावजूद सेना अपनी क्षमताओं में सुधार करने में सफल रही है। सोमवार की परेड में जेट लड़ाकू विमानों, हेलीकॉप्टर, ड्रोन और वायु रक्षा प्रणालियों के साथ-साथ सैन्य टैंक, मिसाइल और नौसेना के जहाजों का प्रदर्शन किया गया। इजराइल ने हाल के वर्षों में फारस की खाड़ी में पड़ोसी अरब देशों के साथ संबंधों में सुधार किया है, जिससे ईरान के नेता नाराज हैं। तेहरान ने अपने परमाणु स्थलों की तोड़फोड़ और अपने परमाणु वैज्ञानिकों की हत्याओं के लिए इजराइल को भी दोषी ठहराया है। परमाणु समझौता चार साल पहले टूट गया था जब अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने देश को इस समझौते से अलग करते हुए ईरान पर कड़े प्रतिबंध लगा दिए थे। इस बीच, ईरान ने अपने परमाणु कार्य का व्यापक विस्तार किया है।

फ्रांस का राष्ट्रपति चुनाव रूस और यूक्रेन की जंग को किस प्रकार कर सकता है प्रभावित?

पेरिस। (एजेंसी)

एक ऐसा देश जहां वोटरों के लिए पात्रता 18 साल है और राष्ट्रपति के पद के लिए भी पात्रता इतनी ही है। इस देश के सबसे बड़े पद यानी राष्ट्रपति को लेकर चुनाव हो रहे हैं। पहले राउंड की वोटिंग हो चुकी है और दूसरे राउंड के लिए इसी महीने की 24 तारीख को वोट डाले जाने हैं। वैसे तो इस चुनाव में कुल 12 उम्मीदवार मैदान में हैं। लेकिन मुख्य मुकाबला दो लोगों के बीच का ही माना जा रहा है। एक पूर्व बैंकर और एक पूर्व वकील फ्रांस के सर्वोच्च पद के लिए जूझ रहे हैं। यूरोपीय यूनियन की दूसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी वाले देश फ्रांस के चुनाव का पूरे यूरोप पर असर पड़ना लाजिमी है। फ्रांस के चुनाव परिणाम का व्यापक अंतरराष्ट्रीय प्रभाव होगा क्योंकि यूरोप रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के यूक्रेन पर आक्रमण से पैदा हुए संकट को रोकने के लिए संघर्ष कर रहा है। मैक्रों ने रूस पर यूरोपीय संघ (ईयू) के प्रतिबंधों का पुरजोर समर्थन किया है जबकि ले पेन ने फ्रांस के लोगों के जीवन स्तर पर उनके प्रभाव को लेकर चिंता जताई है। अब ऐसे में फ्रांस के चुनाव का रूस और यूक्रेन के युद्ध को लेकर भी सीधा असर पड़ने के आसार साफ नजर आ रहे हैं।

यूक्रेन को हथियारों से मदद

फ्रांस की राजधानी भले ही पूर्वी यूक्रेन के युद्धक्षेत्रों से हजारों मील दूर हो, लेकिन इस महीने फ्रांस के मतदान केंद्रों में जो कुछ हुआ, उसका असर वहाँ भी हो सकता है। ऐसे में आपको बताते हैं कि फ्रांसीसी चुनाव यूक्रेन युद्ध को कैसे प्रभावित कर सकते हैं। रूसी आक्रमण के खिलाफ यूरोपीय देश यूक्रेन की बढ़चढ़कर मदद करते नजर आ रहे हैं। इसी क्रम में फ्रांस भी खड़ा है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने तो हालिया सप्ताहों में यूक्रेन को 100 मिलियन यूरो मूल्य के हथियार भेजे हैं और पश्चिमी सैन्य सहायता प्रयास के तहत और अधिक हथियार भेजने की बात भी कही है। फ्रांस 2014 से यूक्रेन के लिए सैन्य समर्थन का एक प्रमुख स्त्रोत रहा है, जब रूस ने 2014 में यूक्रेन से क्रीमिया पर कब्जा कर लिया और पूर्वी यूक्रेन में अलगाववादी लड़ाकों का समर्थन किया। ल पेन की सोच मैक्रों से बिल्कुल उलट है और उन्होंने यूक्रेन को अतिरिक्त हथियारों की आपूर्ति पर बुधवार को आपत्ति जताई। इतना ही नहीं उन्होंने कहा कि अगर वो राष्ट्रपति चुनी जाती हैं तो रक्षा और खुफिया सहायता जारी रखेंगी। हथियार भेजने के बारे में विवेकपूर्ण तरीके से फैसला किया जाएगा क्योंकि उन्हें लगता है कि हथियार दिए जाने से रूस के साथ संघर्ष में अन्य देश शामिल हो सकते हैं।

प्रतिबंधों में नरमी?

ले पेन के अभियान में मुद्रास्फीति को लेकर मतदाताओं की हताशा को सफलतापूर्वक रेखांकित किया गया है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण करने और रूस के खिलाफ प्रतिबंधों से भी मुद्रास्फीति प्रभावित हुयी है। फ्रांस और यूरोप के लिए रूस एक प्रमुख गैस आपूर्तिकर्ता और व्यापार भागीदार है। यूरोपीय संघ सख्त प्रतिबंधों को लेकर सहमत होने में एकमत रहा है। राष्ट्रपति के रूप में, ले पेन यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों को विफल करने या उन्हें सीमित करने का प्रयास कर सकती हैं क्योंकि आगे की कार्रवाई के लिए संगठन के 27 सदस्य देशों के बीच सर्वसम्मति की आवश्यकता है। यूरोपीय यूनियन की दूसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी जिसके पास है। विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यस्था का टैग जिसे प्राप्त है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, नाटो और यूरोपीय यूनियन का संस्थापक सदस्य। मतसब साफ है कि यूरोपीय यूनियन में फ्रांस के बिना कुछ भी संभव नहीं है। ले पेन विशेष रूप से रूसी गैस और तेल पर प्रतिबंधों का विरोध करती हैं। उन्होंने अतीत में यह भी कहा था कि वो रूस पर क्रीमिया के कब्जे पर लगाए गए प्रतिबंधों को उठाने के लिए काम करेंगी और यहां तक ????कि क्रीमिया को रूस के हिस्से के रूप में मान्यता देगी।

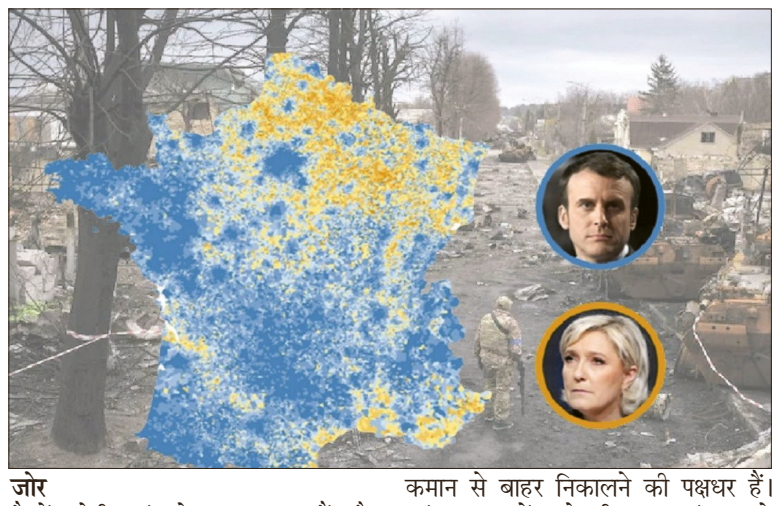

नाटो और यूरोपीय संघ से बाहर आने पर जोर

मैक्रों यूरोपीय संघ के कट्टर रक्षक हैं और हाल ही में पूर्वी यूरोप में नाटो के संचालन में फ्रांस की भागीदारी को मजबूत किया है। जबकि ल पेन का कहना है कि फ्रांस को अंतरराष्ट्रीय गठबंधनों से अपनी दूरी बनाए रखनी चाहिए और अपने रास्ते पर चलना चाहिए। ले पेन फ्रांस को नाटो की सैन्य कमान से बाहर निकालने की पक्षधर हैं। फ्रांस 1966 में नाटो की कमान संरचना से हट गया था, जब राष्ट्रपति चार्ल्स डी गॉल अपने देश को अमेरिकी प्रभुत्व वाले संगठन से हटाना चाहते थे। राष्ट्रपति निकोलस सरकोजी के कार्यकाल में 2009 में फांस फिर से इससे जुड़ गया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

आशीष मिश्रा की जमानत रद्द होने पर बोले राकेश टिकैत, अब किसानों को मिलेगा न्याय

नोएडा। लखीमपुर खीरी हिंसा मामले में आज सुप्रीम कोर्ट ने आशीष मिश्रा को बड़ा झटका दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने आशीष मिश्रा के बेल को खारिज कर दिया है। इसके साथ ही 1 हफ्ते में सरेंडर करने का भी निर्देश दिया। इसी को लेकर भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत ने बड़ा बयान दिया है। राकेश टिकैत ने कहा कि यूपी सरकार ने इस मामले पर जो तथ्य थे उसे सामने नहीं रखा था इसलिए उन्हें (आशीष मिश्रा) जमानत मिली थी, आज सुप्रीम कोर्ट ने उनकी जमानत रद्द की है। उम्मीद है कि आने वाले समय में किसानों को न्याय मिलेगा। किसान नेता नेता राकेश टिकैत ने कहा कि लखीमपुर खीरी हिंसा मामले में केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा के बेटे आशीष मिश्रा की जमानत रद्द करने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने किसानों को न्याय की उम्मीद दी है। टिकैत ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार को अब पीड़ित किसानों को सुरक्षा, मुआवजा और न्याय दिलाने के लिए काम करना चाहिए। अपने ट्वीट में उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय द्वारा मंत्री के पुत्र आशीष की जमानत रद्द करने से किसानों में न्याय की उम्मीद जगी है। उत्तर प्रदेश सरकार पीड़ित किसानों की सुरक्षा-मुआवजा-न्याय दिलाने का काम करे। बेगुनाह किसानों को जेल से निकलवाए। पूर्ण न्याय मिलने तक संघर्ष जारी रहेगा।

कोरोना को लेकर दिल्ली से आई एक अच्छी और दूसरी बुरी खबर

नई दिल्ली । गुजरात और महाराष्ट्र में ओमिक्रोन के एक्सई वैरिएंट के मामले सामने आने के बाद दिल्ली-एनसीआर में कोरोना वायरस के मामले में बहुत तेजी से इजाफा हुआ है। पिछले एक महीने की बात करे तों दिल्ली में कोरोना संक्रमित मरीजों की रोजाना की संख्या में 5 गुना तक का इजाफा हुआ है। हालांकि, रविवार को एक बुरी खबर तो एक अच्छी खबर आई। बुरी खबर यह कि दिल्ली में रविवार को 24 घंटे में 500 से अधिक कोरोना के मामले सामने आए, लेकिन सुखद बात यह है कि किसी की मौत नहीं हुई। वहीं, इससे पहले शनिवार को मामले तो 461 आए, लेकिन 2 लोगों की कोरोना से मौत हो गई। राजधानी दिल्ली में रविवार को कोरोना के 517 मामले सामने आए, जो शनिवार से 56 ज्यादा हैं। हालांकि, संक्रमण दर 5.33 से घटकर 4.21 प्रतिशत हो गई। राहत की बात यह है कि पिछले 24 घंटे में कोरोना से किसी मरीज की मौत नहीं हुई। इसके साथ ही 261 मरीज ठीक हुए। 24 घंटे में 12 हजार 270 सैंपल की जांच हुई। सक्रिय मरीजों की संख्या बढ़कर 1518 हो गई है। इनमें से 37 मरीज अस्पताल में भर्ती हैं, जबकि 10 मरीज आक्सीजन सपोर्ट पर हैं। 964 मरीज होम आइसोलेशन में हैं। कंटेनमेंट जोन की संख्या घटकर 635 रह गई है।

आप की राह पर हिमाचल के सीएम, फ्री बिजली का वादा किया

शिमला । साल 2022 के आखिर में गुजरात और हिमाचल प्रदेश में चुनाव होने है। दोनों ही राज्यों में अरविंद केजरीवाल की पार्टी आम आदमी पार्टी पहले ही चुनाव लड़ने का ऐलान कर चुकी है। दोनों ही राज्यों का केजरीवाल और सीएम भगवंत मान दौरा कर चुके हैं। अब तक जिन राज्यों में आम आदमी पार्टी चुनाव के लिए जाती हैं, वहां मुक्त बिजली का वादा जरूर करती हैं। इस कड़ी में हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने पहले ही ऐलान कर दिया है, कि अब राज्य में 125 यूनिट तक बिजली फ्री मिलेगी। ठाकुर के मुताबिक अब तक 60 यूनिट बिजली मुफ्त में दी जाती थी। पंजाब चुनाव में आप की ओर से महिलाओं के लिए भी कई बड़े वादे किए गए थे। इसके अलावा दिल्ली में आप की सरकार ने महिलाओं को बसों में मुफ्त टिकट की सुविधा दी है। ठाकुर सरकार ने इस बात का ऐलान कर दिया है कि अब महिलाओं को बस किराए में 50 प्रतिशत की छूट मिलेगी। पहले यह छूट 25 प्रतिशत की थी। सीएम ठाकुर ने पानी का बिल माफ करने का भी ऐलान किया है, जिसका लाभ ग्रामीण इलाकों में होगा। जानकारों का मानना है,कि गुजरात में भी कुछ इस तरह क्या ऐलान किए जा सकते हैं। गुजरात सरकार मुफ्त बिजली का ऐलान करने की योजना फिलहाल बना रही है। दूसरी ओर आप ने कहना शुरू कर दिया है कि भाजपा की सरकारें दिल्ली मॉडल को कॉपी कर रही है जो कि केजरीवाल ने स्थापित किया है। वहीं भाजपा लगातार आप पर पलटवार कर दावा कर रही है कि यह आप का नहीं बल्कि भाजपा का मॉडल है। हिमाचल के भाजपा अध्यक्ष सुरेश कश्यप ने साफ तौर पर कह दिया है कि आप का राज्य में कोई अस्तित्व नहीं है। जो थोड़े बहुत लोग आम आदमी पार्टी में कार्यकर्ता के रूप में जुड़े हुए थे, वे सभी भाजपा में शामिल हो गए हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हम दिल्ली मॉडल क्यों अपनाएंगे, हमारा हिमाचल प्रदेश में अपना मॉडल है। हम दूसरे राज्यों को मुफ्त में बिजली देते हैं। इसके बाद हमने अपने राज्य में भी बिजली मुफ्त में देने का ऐलान किया है। भाजपा के हिमाचल प्रदेश प्रभारी अविनाश राय खन्ना ने भी दावा किया है कि सरकार और संगठन के बीच बहुत अच्छा तालमेल है और जनहित की नीति के आधार पर ही भाजपा चुनाव जीतने जा रही है। उन्होंने कहा कि जिन राज्यों में डबल इंजन की सरकार है, वहां का विकास काफी तेजी से हो रहा है।

मोदी के दौरे से पहले सिसोदिया बोले- गुजरात के कुछ स्कूलों में छात्रों के लिए डेस्क नहीं, खराब स्थिति में शौचालय

नयी दिल्ली। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गुजरात दौरे से पहले कहा कि राज्य में कुछ स्कूलों में डेस्क नहीं हैं और शौचालय खराब स्थिति में हैं। आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता ने राज्य के स्कूलों के अपने दौरे की तस्वीरें भी ट्विटर पर साझा कीं जिनमें बच्चे कक्षाओं में फर्श पर बैठे दिखाई देते हैं। सिसोदिया ने पिछले हफ्ते गुजरात के शिक्षा मंत्री जीतू वघानी के गृहनगर एवं भावनगर विधानसभा क्षेत्र में दो सरकारी स्कूलों का दौरा किया था। उपमुख्यमंत्री का ट्वीट मोदी के एक ट्वीट के जवाब में आया जिसमें उन्होंने कहा था कि वह सोमवार को गुजरात में विद्या समीक्षा केंद्र का दौरा करेंगे। मोदी ने गुजरात के अपने तीन दिवसीय दौरे का विवरण साझा करते हुए रविवार को सिलसिलेवार ट्वीट में कहा था, कल गुजरात पहुंचने पर, मैं विद्या समीक्षा केंद्र का दौरा करूंगा। मैं उन लोगों के साथ भी बातचीत करूंगा जो शिक्षा क्षेत्र में काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री के ट्वीट का जवाब देते हुए सिसोदिया ने कहा, प्रधानमंत्री! विद्या समीक्षा केंद्र के आधुनिक केंद्र से आप इन स्कूलों की तस्वीर नहीं देख सकते हैं, जहां बैठने के लिए डेस्क नहीं है... शौचालय टूटे हैं ...मैंने व्यक्तिगत रूप से गुजरात के शिक्षा मंत्री के निर्वाचन क्षेत्र में ऐसे स्कूल देखे हैं। भावनगर के स्कूलों का दौरा करने के बादसिसोदिया ने दावा किया था कि इन स्कूलों की हालत खराब है और अतिथि शिक्षक उन्हें हर महीने नवीनीकृत होने वाले वेतन पर प्रबंधित कर रहे हैं। गुजरात विधानसभा चुनाव से पहले अपने दौरे के दौरान शिक्षा के दिल्ली मॉडल की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा था कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पिछले 27 वर्षों में सरकारी स्कूलों की स्थिति में सुधार के लिए बहुत कम काम किया है।

संघ किसी का प्रतिस्पर्धी नहीं, बल्कि धर्म और राष्ट्र के उत्थान में सहयोगी है : भागवत

भोपाल (एजेंसी)

स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन राव भागवत ने रविवार को कहा कि संघ किसी का प्रतिस्पर्धी नहीं है, बल्कि धर्म और राष्ट्र के उत्थान हेतु कार्यरत विभिन्न संगठनों, संस्थाओं और व्यक्तियों का सहयोगी है। उन्होंने प्रज्ञा प्रवाह द्वारा आरएसएस की यहां दो दिवसीय अखिल भारतीय चिंतन बैठक में अंतिम दिन यह बात कही। संघ द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार भागवत ने कहा कि सत्य, करुणा, शुचिता और परिश्रम सभी भारतीय धर्मों के मूलभूत गुण हैं। संघ प्रमुख ने कहा, 'हम एकांत में साधना और लोकांत में सेवा करते रहें। धर्म की रक्षा धर्म के आचरण से होती है। हमारे गुण और धर्म ही हमारी संपदा तथा हमारे अस्त्र-शस्त्र हैं।' भागवत ने कहा कि संघ किसी का प्रतिस्पर्धी नहीं है, बल्कि धर्म व राष्ट्र के उत्थान हेतु कार्यरत विभिन्न संगठनों, संस्थाओं व व्यक्तियों का सहयोगी है। उन्होंने आह्वान किया कि सभी सुनियोजित रूप से परस्पर सहयोग करते हुए एक श्रेष्ठ मानवता का निर्माण करें। इससे पहले इस बैठक में हिंदुत्व एवं राजनीति पर चर्चा करते हुए एकात्म मानव दर्शन अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान के अध्यक्ष तथा एकात्म मानव दर्शन के वरिष्ठ अध्येता महेश चंद्र शर्मा ने कहा हमारा राष्ट्रवाद भौगोलिक न होकर भू-सांस्कृतिक राष्ट्रवाद है। विश्व की राजनैतिक राष्ट्र रचना का मानवीकरण होना है, तो इसका हिंदूकरण होना आवश्यक है। शर्मा ने कहा कि संविधान का बहिष्कार नहीं, पुरस्कार भी नहीं, बल्कि परिष्कार होना चाहिए। लोकतंत्र का भारतीयकरण करते हुए हमें धर्मराज्य स्थापित करने की दिशा में प्रयत्न करने चाहिए। एकात्म मानव दर्शन में व्यष्टि, समष्टि, सृष्टि तथा परमेष्ठी एक ही मानव इकाई में समाहित हैं। हिंदुत्व के वैश्विक पुनर्जागरण पर प्रबुद्ध विचारक राम माधव ने कहा कि हिंदुत्व जीवन शैली नहीं, बल्कि जीवन दृष्टि है, जीवन दर्शन है। उन्होंने बताया कि कैसे सनातन धर्म संपूर्ण विश्व में पहुंचा तथा उसकी वर्तमान स्थिति क्या है। आज कैसे विभिन्न आध्यात्मिक संगठनों के माध्यम से हिंदू धर्म विभिन्न देशों में पहुंच रहा है तथा उसका आकर्षण दिनों-दिन बढ़ रहा है। माधव ने कहा कि वर्तमान वैश्विक समस्याओं का समग्र समाधान हिंदू धर्म ही देता है,

चाहे वह पर्यावरण की समस्या हो, स्वास्थ्य समस्या हो अथवा तकनीकी की समस्या हो। विज्ञप्ति में कहा गया कि प्रज्ञा प्रवाह द्वारा आरएसएस की अखिल भारतीय चिंतन बैठक रविवार को भोपाल में संपन्न हुई। इस दो दिवसीय चिंतन बैठक में भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले, प्रज्ञा प्रवाह के अखिल भारतीय संयोजक जे नंद कुमार तथा अनेक बौद्धिक एवं वैचारिक संगठनों व संस्थाओं के वरिष्ठ प्रतिनिधि सम्मिलित हुए। विज्ञप्ति के मुताबिक सामाजिक-सांस्कृतिक विषयों के विमर्श मंथन क्रम में प्रज्ञा प्रवाह द्वारा समय-समय पर ऐसी बैठकों का आयोजन किया जाता है।

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा की लोगों के नाम चिट्ठी, बोले- विपक्ष ने देश की भावना पर किया सीधा हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने देश के नागरिकों को एक पत्र लिखा है। अपने पत्र में उन्होंने विपक्ष पर भी कई बड़े आरोप लगाए हैं। भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने लिखा कि सरकार के विकास की राजनीति पर जोर देने का अस्वीकृत एवं निराश दलों द्वारा वोट बैंक तथा विभाजनकारी राजनीति कर विरोध किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हम विपक्षी दलों से विकास की राजनीतिक करने का आग्रह करेंगे। नड्डा ने कहा कि विपक्षी दलों की 'वोट बैंक की राजनीति, विभाजनकारी राजनीति और चयनात्मक राजनीति की परखी गई या मुझे कहना चाहिए कि धूल में मिली और जंग खा चुकी सोच अब काम नहीं कर रही' क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' पर जोर दिए जाने से भारतीय सशक्त बन रहे हैं तथा उन्हें और ऊपर उठने के लिए पंख मिल रहे हैं।

विपक्षी दलों के संयुक्त बयान पर भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि विपक्ष ने देश की भावना पर सीधा हमला किया और मेहनतकश नागरिकों पर आक्षेप लगाए हैं। उन्होंने लिखा कि भारत के युवा बाधा नहीं, अवसर चाहते हैं। उन्होंने नागरिकों को लिखा कि आगे सोचें और योजना बनाएं कि हम सभी को कैसा महसूस होगा जब हम 2047 में स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे करेंगे। उन्होंने कहा कि सभी धर्मों, आयु वर्गों और विभिन्न क्षेत्रों के लोग

गरीबों को हराने और भारत को प्रगति की नई ऊंचाई पर ले जाने के लिए मिलकर सामने आए हैं। नड्डा ने कहा, 'मैं विपक्ष से आग्रह करूंगा कि वह अपना तरीका बदले और विकास की राजनीति को अपनाए।' उन्होंने कांग्रेस शासित राजस्थान के करौली में एक धार्मिक जुलूस के दौरान हुई साम्प्रदायिक हिंसा का भी जिक्र किया और विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए सवाल किया कि इस मामले पर उनकी चिंताजनक चुप्पी के पीछे क्या मजबूरी है। उन्होंने कई ऐसे दंगों का भी जिक्र किया, जो विपक्ष, खासकर कांग्रेस के शासन में हुए। उन्होंने विपक्ष शासित तमिलनाडु और महाराष्ट्र में हुई विभिन्न घटनाओं का भी उल्लेख किया।

उल्लेखनीय है कि विपक्ष के 13 नेताओं ने देश में हुई हालिया सांप्रदायिक हिंसा और घृणापूर्ण भाषण संबंधी घटनाओं को लेकर शनिवार को गंभीर चिंता जताई थी और लोगों से शांति एवं सद्भाव बनाए रखने की अपील की थी। विपक्षी नेताओं ने इन मुद्दों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'चुप्पी' पर भी सवाल उठाया था। संयुक्त बयान में 13 विपक्षी दलों ने कहा कि वे 'क्षुब्ध' हैं कि भोजन, वेशभूषा, आस्था, त्योहारों और जैसे मुद्दों का इस्तेमाल सत्ता प्रतिष्ठान द्वारा समाज का ध्रुवीकरण करने के लिये किया जा रहा है। यह बयान कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी प्रमुख शरद पवार, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन समेत 13 नेताओं ने जारी किया था।

कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच योगी सरकार सख्त, इन 7 जिलों में सार्वजनिक स्थलों पर मास्क पहनना अनिवार्य

लखनऊ। (एजेंसी)

उत्तर प्रदेश की सीमा से सटे कुछ राज्यों में कोविड संक्रमण के बढ़ते मामलों के मद्देनजर राजधानी लखनऊ समेत सात जिलों में सार्वजनिक स्थलों पर मास्क लगाना फिर से अनिवार्य कर दिया गया है। राज्य सरकार के एक प्रवक्ता के मुताबिक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक में कहा कि प्रदेश की सीमा से लगे कुछ राज्यों में कोविड संक्रमण के मामलों में वृद्धि देखने को मिल रही है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के जिलों में भी इसके प्रभाव के मद्देनजर गौतमबुद्ध नगर, गाजियाबाद, हापुड़, मेरठ, बुलंदशहर और बागपत के साथ-साथ राजधानी लखनऊ में भी सार्वजनिक स्थानों पर मास्क लगाये जाने को अनिवार्य कर दिया गया है।

सरकार ने इसी महीने के शुरू में कोविड-19 संक्रमण के मामलों में खासी गिरावट होने के मद्देनजर मास्क पहनने से छूट दी थी। ज्ञातव्य है कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के जिलों में कोविड-19 संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं। पिछले 24 घंटे में गौतमबुद्ध नगर में 65 और गाजियाबाद में 20 नये मरीजों में संक्रमण की पुष्टि हुई है। इसके अलावा राजधानी लखनऊ में भी 10 नये मरीज पाए गए हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी आदेश दिये कि एनसीआर के जनपदों में कोविड रोधी टीकाकरण से छूटे लोगों को चिन्हित कर उन्हें टीका लगाया जाए और लक्षणयुक्त लोगों की जांच कराई जाए।

योगी ने कहा कि एनसीआर में कोविड संक्रमित पाए गए मरीजों के नमूनों की जीनोम सीक्वेंसिंग के दौरान कोविड के ओमीक्रोन स्वरूप की ही पुष्टि हुई है। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञों के अनुसार संभव है कि संक्रमण के मामलों की संख्या में वृद्धि हो लेकिन अस्पताल में भर्ती होने अथवा मरीज के अति गंभीर होने की स्थिति नहीं होगी। उन्होंने कहा कि लोगों को कोविड प्रोटोकॉल का अनुपालन करने के लिए जागरूक किया जाए। इस बीच, स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में राज्य में 83,864 नमूनों की कोविड जांच की गई जिनमें 115 नए मरीजों की पुष्टि हुई। इसी अवधि में 29 लोग स्वस्थ हुए।

जनता की जेब काटने का नया तरीका अपना रही है सरकार: कांग्रेस

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

कांग्रेस ने माल एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद की अगले महीने होने वाली बैठक में पांच प्रतिशत के कर स्लैब को समाप्त करने के प्रस्ताव पर विचार किए जाने की संभावना के बीच सोमवार को आरोप लगाया कि सरकार अब जनता की जेब काटने का नया तरीका अपनाने की तैयारी कर रही है। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने ट्वीट किया, 'अब 1,50,000 करोड़ रुपये की कर वसूली की तैयारी! मोदी सरकार जीएसटी दर 5 प्रतिशत से 8 प्रतिशत बढ़ा कर अब लोगों की जेब काटने का नया तरीका तैयार कर रही है।'

उन्होंने दावा किया कि जीएसटी दर बढ़ने से मसाले, तेल, चाय-कॉफी, चीनी, मिठाई, कोयला, बायो गैस, किसान की खाद, जीवन रक्षक दवाइयां, 1000 रुपये तक के जूते-चप्पल, अगरबत्ती, बुजर्गों की छड़ी,

सुनने की कान की मशीन, नेत्रहीनों की घड़ी, कालीन और कई अन्य वस्तुएं एवं सेवाएं महंगी हो जाएंगी। सुरजेवाला ने कहा, 'जीएसटी दर बढ़ने से पहले ही लोग महंगाई के बोझ से कराह रहे हैं, थोक खुदरा महंगाई मार्च महीने में 14.55 प्रतिशत की अप्रत्याशित ऊंचाई छू रही है, पेट्रोल-डीजल-रसोई गैस-सीएनजी-पीएनजी ने कमर तोड़ दी है, नींबू-हरी मिर्च-सब्जी खाना सपना हो गया है,कितना और निचोड़ेंगे देश की जनता को ?'

फिर बेनकाब हुई चीन की चालबाजी, भारतीय सीमा के पास लगाएं 3 मोबाइल टावर

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

भारत और चीन के बीच लगातार तनाव की स्थिति है। एलएसी के करीब निर्माण कार्यों को लेकर चीन अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। इन सब के बीच चीन ने वास्तविक नियंत्रण रेखा के पास तीन मोबाइल टावर लगा दिए हैं। इसकी तस्वीर भी सामने आ चुकी है। लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद लेह के चुगुल से पार्षद कोंचोक स्टैनजि ने इन तस्वीरों को साझा किया है। माना जा रहा है कि चीन ने पैंगोंग झील पर काम खत्म करने के बाद अब यह तीन टावर लगाए हैं। कोंचोक स्टैनजिन ने यह भी बताया है कि चीन लगातार सीमा पर अपनी ओर तेजी से बुनियादी ढांचे का निर्माण कर रहा है।

इसी कड़ी में चीन ने पैंगोंग झील पर एक पुल को पूरा करने के बाद हॉट स्प्रिंग्स के अपने किनारे यह तीन

मोबाइल टॉवर लगाए है। अपने ट्वीट में उन्होंने लिखा कि पैंगोंग झील पर पुल का काम पूरा करने के बाद चीन ने भारतीय क्षेत्र के बेहद करीब हॉट स्प्रिंग के पास 3 मोबाइल टावर लगाए हैं। क्या यह चिंता का विषय नहीं है? मानव बस्ती वाले गांवों में 4जी की सुविधा भी नहीं है। मेरे निर्वाचन क्षेत्र के 11 गांवों में 4जी सुविधा नहीं है। आपको बता दें कि यह गांव एलएसी के काफी निकट है और यहां से चीन की हर गतिविधियां नजर आती है। इससे पहले यह भी खबर आई थी कि चीन ने भारतीय सीमा के पास 624 नए गांव बसा दिए हैं।

राजनाथ की चेतावनी

इससे पहले चीन को सख्त संदेश देते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि अगर भारत को किसी ने नुकसान पहुंचाया तो वह भी बख्शेगा नहीं। रक्षा मंत्री ने कहा, मैं खुले तौर पर यह नहीं कह सकता कि उन्होंने (भारतीय सैनिकों ने) क्या किया और हमने (सरकार ने) क्या फैसले लिए। लेकिन मैं निश्चित तौर पर कह सकता हूं कि (चीन को) एक संदेश गया है कि भारत को अगर कोई छेड़ेगा तो भारत छोड़ेगा नहीं। पैंगोंग झील क्षेत्र में हिंसक झड़प के बाद पांच मई, 2020 को भारतीय और चीनी सेनाओं के बीच सीमा गतिरोध शुरू हो गया था। 15 जून, 2020 को गलवान घाटी में हुयी झड़पों के बाद गतिरोध और बढ़ गया। इन झड़पों में 20 भारतीय सैनिक शहीद हो गए थे। हालांकि चीन ने इस संबंध में कोई आधिकारिक ब्यौरा नहीं दिया।

दिल्ली हिंसा: ओवैसी बोले- एकतरफा हो रही पुलिस की कार्रवाई, शोभायात्रा में लहराए गए हथियार

नई दिल्ली (एजेंसी)

दिल्ली के जहांगीरपुरी में हनुमान जयंती के दिन हुई हिंसा को लेकर पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। हालांकि पुलिसिया कार्रवाई को लेकर असदुद्दीन ओवैसी ने कई सवाल खड़े किए है। असदुद्दीन ओवैसी ने दावा किया है कि पुलिस एकतरफा कार्रवाई कर रही है। उन्होंने हिंसा के लिए दिल्ली सरकार और केंद्र की मोदी सरकार को जिम्मेदार बताया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अंसार को आरोपी बनाना बिल्कुल गलत है। उन्होंने दावा किया कि सरकार चाहती थी कि हिंसा हो। ओवैसी ने कहा कि मस्जिद पर झंडा लगाने की कोशिश की गई। वह लोग तलवार लेकर पहुंचे थे। क्या तलवार ले जाना इस देश में गैरकानूनी नहीं रहा?

ओवैसी ने सवाल किया कि पुलिस वहां क्यों मौजूद नहीं थी? इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अगर न्याय चाहते हैं तो जांच आयोग का गठन होना चाहिए। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि भड़काऊ नारे लगाए गए हैं। ओवैसी ने कहा कि जो भी कानून हाथ में ले, उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। लेकिन एक तरफा कार्रवाई ठीक नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि वीडियो में अंसार लोगों को समझा रहा है। ओवैसी ने कहा कि आज दिल्ली पुलिस के कमिश्नर ने खुद ये कहा है कि जहांगीरपुरी में जो जुलूस निकाला गया वो बिना इजाजत के निकाला गया। जब जुलूस निकाला जा रहा था तब पुलिस क्या कर रही थी? पुलिस तमाशा देखने के लिए बैठी थी? और जुलूस में हथियारों की क्या जरूरत थी? उन्होंने कहा कि सांप्रदायिक हिंसा उस वक्त ही होती है जब सरकार चाहती है, जब सरकार नहीं चाहती है तब नहीं होती है। तो यहां पर भी सरकार ने सांप्रदायिक हिंसा होने दी। सरकार के सामने सब कुछ हो रहा है जिसकी पूरी जिम्मेदारी मोदी सरकार पर आती है।

इससे पहले दिल्ली के पुलिस आयुक्त राकेश अस्थाना ने कहा कि जहांगीरपुरी हिंसा के सिलसिले में अब तक दोनों समुदायों के 23 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और इसमें शामिल लोगों को वर्ग, पंथ या धर्म के आधार पर बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस प्रमुख ने इन दावों का भी खंडन किया कि हनुमान जयंती शोभायात्रा के दौरान जहांगीरपुरी की एक स्थानीय मस्जिद में भगवा झंडा फहराने का प्रयास किया गया था। उन्होंने कहा कि कुछ लोग स्थिति को तनावपूर्ण बनाए रखने के लिए सोशल मीडिया पर अफवाहें फैलाने की कोशिश कर रहे है। उन्होंने लोगों से इन पर ध्यान न देने की अपील की। पुलिस आयुक्त ने कहा कि शनिवार को हुईं हिंसक झड़पों की जांच अपराध शाखा को सौंप दी गई है और इसे सिलसिले में 14 टीमों का गठन किया गया है।

लाउडस्पीकर विवाद के बीच नासिक के कमिश्नर का बड़ा आदेश, अजान के वक्त नहीं बजा सकेंगे हनुमान चालीसा

नई दिल्ली । राज्य के गृह मंत्री दिलीप वलसे पाटिल ने सोमवार, 18 अप्रैल को कहा कि महाराष्ट्र में धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकर के इस्तेमाल की अनुमति केवल पूर्व अनुमति से ही दी जाएगी। प्रदेश सरकार की तरफ से ये फैसला महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे द्वारा 3 मई तक मस्जिदों के ऊपर से लाउडस्पीकर हटाने के अल्टीमेटम के बाद आया है। राज ठाकरे ने कहा था कि यदि सरकार तक मस्जिदों के ऊपर से लाउडस्पीकर हटाने में विफल रही, तो मस्जिदों के बाहर हनुमान चालीसा बजायी जाएगी। वहीं अब नासिक पुलिस कमिश्नर की तरफ से एक बड़ा आदेश जारी किया गया है। नासिक के कमिश्नर दीपक पांडे ने कहा है कि सभी धार्मिक स्थलों को 3 मई तक लाउडस्पीकर के उपयोग की अनुमति लेने का निर्देश दिया गया है। 3 मई के बाद यदि कोई आदेश का उल्लंघन करता पाया जाता है तो उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पांडे ने कहा कि हनुमान चालीसा या भजन बजाने के लिए अनुमति लेनी पड़ती है। अजान से पहले और बाद में 15 मिनट के भीतर इसकी अनुमति नहीं होगी। मस्जिद के 100 मीटर के दायरे में इसकी इजाजत नहीं होगी। इस आदेश का उद्देश्य कानून-व्यवस्था बनाए रखना है। गौरतलब है कि पिछले कई दिनों से लाउडस्पीकर को लेकर प्रदेश की सियासत काफी गरम है। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे की तरफ से 3 मई तक मस्जिदों पर लगे लाउडस्पीकर को हटाने का अल्टीमेटम दिया है। ऐसा नहीं करके की सूरत में लाउडस्पीकर से मस्जिदों के सामने हनुमान चालीसा बजाने की चेतावनी भी राज ठाकरे की तरफ से दी गई।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पीएम मोदी आज जामनगर में डब्ल्यूएचओ ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन का उद्घाटन करेंगे

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

आयुष मंत्रालय और गुजरात सरकार ने आज भारत में पारंपरिक चिकित्सा के क्षेत्र में दो प्रासंगिक विकासों पर विचार-विमर्श करने के लिए एक पूर्वावलोकन प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया। जिसमें डब्ल्यूएचओ ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन (जीसीटीएम) की महत्वपूर्ण आयोजन और वैश्विक आयुष निवेश तथा नवाचार शिखर सम्मेलन (जीएआईआईएस) का आयोजन शामिल है। दोनों कार्यक्रम गुजरात में आयोजित किए जा रहे हैं और इनमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद जगन्नाथ एवं डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक डॉ. टेड्रोस घेब्रेयसस की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। डब्ल्यूएचओ ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन, विश्वे में अपनी तरह का पहला केन्द्रग है, जिसका 19 अप्रैल, 2022 को जामनगर में उद्घाटन किया जाएगा। इस केंद्र का लक्ष्य पारंपरिक चिकित्सा की क्षमता को तकनीकी प्रगति और साक्ष्य-आधारित अनुसंधान के साथ एकीकृत करना है। जामनगर इसके आधार के रूप में कार्य करेगा और इस नए केंद्र का उद्देश्य विश्वे को शामिल करना और उसे लाभान्वित करना है। यह केन्द्र चार मुख्य रणनीतिक क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करेगा, जिनमें साक्ष्य और शिक्षा; डेटा और विश्लेषण; स्थिरता और इक्विटी; तथा नवाचार और प्रौद्योगिकी शामिल है ताकि वैश्विक स्वास्थ्य में पारंपरिक चिकित्सा का अधिक से अधिक योगदान प्राप्तप हो। वैश्विक आयुष निवेश तथा नवाचार शिखर सम्मेलन 20 अप्रैल से 22 अप्रैल, 2022 तक गांधीनगर में आयोजित किया जाएगा। इस शिखर सम्मेलन का उद्देश्य पारंपरिक चिकित्सा के क्षेत्र में निवेश बढ़ाना और नवाचारों को प्रदर्शित करना है। यह दीर्घकालिक साझेदारी को बढ़ावा देने, निर्यात को प्रोत्साशहन देने और एक स्थायी इकोसिस्टनम को पोषित करने का एक अनूठा प्रयास है। आगामी कार्यक्रमों पर टिप्पणी करते हुए, केंद्रीय आयुष मंत्री श्री सर्बानंद सोनावल ने कहा कि दोनों कार्यक्रम भारत के आयुष उद्योग के लिए बहुत महत्वपूर्ण सिद्ध होंगे। वैश्विक आयुष निवेश तथा नवाचार शिखर सम्मेलन भारत को आयुर्वेदिक और हर्बल उत्पादों के लिए वैश्विक बाजार बनाने का अवसर प्रदान करेगा। हम आज एक स्वर्ण युग के द्वार पर खड़े हैं, जहां हम अपने पारंपरिक ज्ञान का पूरा लाभ उठा सकते हैं और उसका दुनिया की सेवा करने में उपयोग कर सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि डब्ल्यूएचओ ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन भारत की वैश्विक स्वास्थ्य के प्रति उत्कृष्ट प्रतिबद्धता का प्रतिनिधित्व करता है। उन्नत प्रौद्योगिकी और प्राचीन ज्ञान के मोड़ पर खड़े होने से हमारे सामने एकमात्र रास्ता आगे बढ़ने का भी है। राजकोट में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में सर्बानंद सोनावाल, केंद्रीय आयुष मंत्री, डॉ. मुंजपारा महेंद्रभाई कालूभाई आयुष राज्य मंत्री, वैद्य राजेश कोटेचा सचिव, आयुष मंत्रालय जैसे विशिष्टर मेहमानों ने डब्यूस एचओ ग्लोबल सेंटर ऑफ़ ट्रेडिशनल मेडिसिन तथा वैश्विक आयुष निवेश तथा नवाचार शिखर सम्मेलन (जीएआईआईएस) की शुरुआत की। उन्होंने आयुष मंत्रालय और डब्ल्यूएचओ के बीच साझेदारी की प्रमुख विशेषताओं के बारे में भी चर्चा की और कोविड के बाद की दुनिया में पारंपरिक चिकित्सा के क्षेत्र में निवेश और नवाचारों के महत्व पर जोर दिया। इस सम्मेलन में गुजरात सरकार के स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव मनोज अग्रवाल भी उपस्थित थे। जीसीटीएम पारंपरिक चिकित्सा उत्पादों पर नीतियां और मानक निर्धारित करना चाहता है। यह देशों को एक व्यापक, सुरक्षित और उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य प्रणाली का निर्माण करने में भी मदद करेगा। ग्लोबल वैश्विक आयुष निवेश तथा नवाचार शिखर सम्मेलन पारंपरिक उत्पादों, प्रथाओं और संबंधित सेवाओं का वैश्विक केंद्र बनने के भारत के प्रयासों को रणनीतिक बनाने की एक महत्वकपूर्ण पहल है।

पीएम मोदी ने विद्या समीक्षा केन्द्र में स्टाफ के साथ विभिन्न विषयों पर की चर्चा

गांधीनगर,तीन दिवसीय गुजरात दौरे पर आए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गांधीनगर के विद्या समीक्षा केन्द्र पहुंचे। स्कूलों के कमांड एन्ड कंट्रोल सेंटर में पीएम मोदी ने स्टाफ के साथ विभिन्न विषयों पर चर्चा की और जानकारी हासिल की। गांधीनगर में तैयार किए गए कंट्रोल सेंटर में प्रति वर्ष 500 करोड़ से अधिक डेटा एकत्र किया जाता है। साथ ही सेंटर में डेटा एनालिसिस, आर्टिफिशियल इंटेलिजंस से डेटा का विश्लेषण किया जाता है इसका समयांतर और बाद में जाता है। पीएम मूल्यांकन किया समीक्षा केन्द्र मोदी ने विद्या केन्द्र से राज्य के मोनिटरिंग विद्यार्थियों, के अभिभावक, बीआरसी, शिक्षाकों, समेत तहसील सीआरसी अधिकारियों प्राथमिक शिक्षा संवाद किया। के साथ सीध ई समीक्षा केन्द्र को गौरतलब है विद्या विश्व की सबसे विश्व बैंक ने भी माना है। तीन श्रेष्ठ प्रेक्टिश दौरे पर पीएम दिवसीय गुजरात विश्राम राजभवन मोदी आज रात्रि कल बनासकांठा में करेंगे और के कार्यक्रम में में बनास डेयरी बाद में दियोदर शिरकत करेंगे।

में आयोजित जनसभा को संबोधित करेंगे और उसके बाद जामनगर जाएंगे, जहां डब्ल्यूएचओ ट्रेडिशनल मेडिसिन ग्लोबल सेंटर की आधारशिला रखेंगे। इस मौके पर डब्ल्यूएचओ के डायरेक्टर-जनरल टेड्रोस ग्रेबेचस भी उपस्थित रहेंगे।

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी 18 से 20 अप्रैल तक सूरत में तीन दिवसीय 'स्मार्ट सिटीज, स्मार्ट शहरीकरण' राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए।

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत:सोमवार, 18, 19 और 20 अप्रैल को सूरत में सरसाना अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी और कन्वेंशन सेंटर में, राज्य सरकार और सूरत नगर निगम द्वारा आयोजित स्मार्ट सिटीज मिशन, स्मार्ट सिटीज मिशन, आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय द्वारा आयोजित (एमओएचयूए) इसका उद्घाटन केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्री, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस श्री हरदीप सिंह पुरी ने किया। देश की स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर 'स्मार्ट स्मार्ट मिशन' के अंतर्गत 'स्मार्ट

स्मार्ट मिशन' के अंतर्गत किए गए विशेष कार्य के लिए स्मार्ट सिटी को "सिटी अवार्ड", "इनोवेटिव अवार्ड" के साथ-साथ च्प्रोजेक्ट अवार्डज्ज श्रेणियों में सम्मानित किया गया है। 'आजादी का अमृत महोत्सव' के हिस्से के रूप में इंडिया स्मार्ट सिटीज अवार्ड प्रतियोगिता 2022'। कुल 51 पुरस्कार प्रदान किए गए।

स्कूल वैन और कार के बीच दुर्घटना में 5 वीं कक्षा की छात्रा की मौत,8 घायल

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

राजकोट, राजकोट में आटकोट और हनुमान खारचिया के बीच स्कूल वैन और कार के बीच हुई दुर्घटना में पांचवीं कक्षा की एक छात्रा की मौत हो गई। जबकि 8 लोगों के घायल होने की खबर है। घायलों को एम्ब्युलैंस 108 की मदद से अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक राजकोट जिले के जसदण स्थित एकलव्य स्कूल की वैन विद्यार्थियों को लेकर वीरनगर की ओर जा रही थी। उस वक्त आटकोट और खारचिया के बीच सामने से आ रही एसन्ट कार धमाके के साथ स्कूल वैन के साथ टकरा गई। स्कूल वैन से टकराने के बाद कार सड़क के नीचे खड्ड में उतर गई। इस घटना में स्कूल वैन में सवार कक्षा 5 की एक छात्रा की मौत हो गई। घटना के वक्त स्कूल वैन में 3 विद्यार्थी सवार थे।जिसमें ड्राइवर समेत 3 लोग घायल हो गए। जबकि कार में सवार भोला रामाणी, चंद्रिका रामाणी, दया रामाणी, शिल्पा रामाणा समेत 5 लोग जख्मी हुए हैं। सभी घायलों को एम्ब्युलैंस 108 के जरिए अस्पताल पहुंचाया गया। खबर मिलते ही राजकोट ग्रामीण पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई और पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज आगे की कार्यवाही शुरूकर दी।